सच्ची खबरें का मरकज़

R.N.I. No. UPHIN/2009/28569

आगाज़ टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक सामचार पत्र

वर्षः 16 अंकः 38 | **लखनऊ** मंगलवार 21 अक्टूबर 2025 | **पृष्ठ :** 8 | **मूल्यः** 1 रुपये

सीएम का ऐलान

दिवाली से पहले 14 लाख कर्मचारियों को बोनस मिलेगा

● यूपी के 14.82 लाख राज्य कर्मचारियों को योगी सरकार का दिवाली गिफ्ट

प्रतीकात्मक तस्वीर

लखनऊ,(एजेंसी)। यूपी सरकार ने प्रदेश के 14 लाख राज्यकर्मचारियों को बोनस देने का एलान किया है। ये बोनस उन्हें दिवाली गिफ्ट के रूप में दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली के शुभ अवसर पर राज्य कर्मचारियों को बड़ा उपहार देते हुए वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए बोनस देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के परिश्रम और निष्ठा के प्रति राज्य सरकार की सराहना का प्रतीक है। प्रदेश की प्रगति में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार हर स्तर पर उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार के कर्मचारियों को उत्पादकता असम्बद्ध बोनस अनुमन्य किया गया है। यह बोनस मासिक परिलब्धियों की अधिकतम सीमा घ7,000 के आधार पर 30 दिनों की परिलब्धियों का आगणन करते हुए दिया जाएगा, जिससे प्रत्येक पात्र कर्मचारी को घ6,908 का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली से पहले यह आर्थिक लाभ कर्मचारियों के परिवारों के लिए आनंद और उत्साह लेकर आएगा तथा शासन–प्रशासन में नई ऊर्जा का संचार करेगा।

राजनाथ बोले– कुछ देश अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे

कुछ अपना दबदबा बनाना चाहते हैं

● शांति भारत के अहिंसा–सत्य की फिलॉसफी में शामिल, राजनाथ सिंह ने इशारों में चीन–पाक को चेताया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान अपने भाषण में राजनाथ सिंह ने साफ कहा कि कुछ देश खुलेआम अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। नई दिल्ली में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन को मंगलवार (14 अक्तूबर) को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत के लिए, शांति स्थापना कभी भी एक विकल्प नहीं रही, बल्कि एक आस्था का विषय रही है। हमारी आजादी के आरंभ से ही, भारत अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के संयुक्त राष्ट्र के मिशन में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहा है। शांति स्थापना एक सैन्य मिशन से कहीं बढ़कर–रक्षा मंत्री सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ष्हम सभी जानते हैं कि शांति स्थापना एक सैन्य मिशन से कहीं बढ़कर हैय यह एक साझा जिम्मेदारी है। यह हमें याद दिलाता है कि संघर्षों और हिंसा से ऊपर मानवता है, जिसे बनाए रखने की जरूरत है। और इसीलिए जब युद्ध और अभाव से त्रस्त लोग ब्लू हेल्मेट्स को देखते हैं, तो उन्हें यह एहसास होता है कि दुनिया ने उन्हें त्यागा नहीं है।ष अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन का उठाया मुद्दा इस दौरान रक्षा मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन का मुद्दा भी जोरों शोरों से उठाया। उन्होंने कहा, ष्आजकल, कुछ देश खुलेआम अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, कुछ उन्हें कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कुछ अपने नियम बनाकर अगली सदी पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। इन सबके बीच भारत पुरानी अंतरराष्ट्रीय संरचनाओं में सुधार की वकालत करते हुए अंतरराष्ट्रीय नियम–आधारित व्यवस्था को मजबूती से कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है।ष भारतीय कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा– रक्षा मंत्री नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन में बोलते हुए।

‘भारतीय कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा’

नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन में बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पिछले दशकों में, लगभग 2,90,000 भारतीय कर्मियों ने 50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों में सेवा की है और अपने पेशेवर कौशल, साहस और करुणा के लिए वैश्विक सम्मान अर्जित किया है। कांगो और कोरिया से लेकर दक्षिण सूडान और लेबनान तक हमारे सैनिक, पुलिस और चिकित्सा पेशेवर कमजोर लोगों की रक्षा और समाज के पुनर्निर्माण के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं।

हरियाणा आईपीएस सुसाइड, राहुल बोले- सरकार तमाशा बंद करे

चण्डीगढ़–हरियाणा,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को एडीजीपी वाई पूरण कुमार के परिवार से मुलाकात की और सांत्वना जताई। इसके बाद उन्होंने हरियाणा सरकार से मांग की कि आरोपियों को गिरफ्तार कर परिवार को न्याय दिलाया जाए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरण कुमार के परिवार से मुलाकात की। राहुल गांधी ने करीब 50 मिनट तक परिवार से बात की। दलितों को प्रताड़ित करना गलत इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी ने नायब सैनी सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने मामले के आरोपी अधिकारियों को तुरंत अरेस्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ये एक परिवार का मामला नहीं है। दलितों को प्रताड़ित करना गलत है। राहुल ने कहा कि मेरी पीएम और हरियाणा सीएम से अपील है कि दोनों बेटियों से किए वादे को पूरा करें। सरकार तमाशा बंद करें। सिर्फ एक परिवार का मामला नहीं है ये राहुल गांधी ने कहा कि कई वर्षों से सिस्टम के आधार पर भेदभाव हो रहा है। ऑफिसर को कमतर करने के लिए करियर बर्बाद करने के लिए सिस्टम के आधार पर दूसरे ऑफिसर लगातार काम कर रहे हैं। ये सिर्फ एक परिवार का मामला नहीं है। देश में करोड़ों दलित भाई–बहन हैं. उनको गलत मैसेज जा रहा है। मैसेज जा रहा है कि आप कितने भी सफल क्यों न हों, कितने भी ताकतवर क्यों न हों, कितने भी इंटेलिजेंट क्यों न हों।

‘आतंकियों का होगा खात्मा’

● आतंकवाद के खिलाफ एनसीजी का नया युगः अमित शाह

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। अमित शाह ने एनएसजी के 41वें स्थापना दिवस पर आतंकवाद के खिलाफ चार दशकों की कठिन लड़ाई के लिए उनकी सराहना की, जिससे देश को सुरक्षा का संतोष मिलता है। उन्होंने हरियाणा के मानेसर में घ141 करोड़ की लागत से विशेष अभियान प्रशिक्षण केंद्र (एसओटीसी) का उद्घाटन किया, जो एनएसजी और राज्य पुलिस बलों को अत्याधुनिक प्रशिक्षण देगा, साथ ही अयोध्या में एक नए केंद्र की घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पिछले चार दशकों से आतंकवाद के खिलाफ एक कठिन लड़ाई लड़ने में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के प्रयासों की सराहना की। एनएसजी की कार्रवाई के प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुए, शाह ने कहा कि इससे देश को संतुष्टि मिलती है कि उसकी सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सुरक्षित हाथों में है। शाह ने हरियाणा के मानेसर में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के 41वें स्थापना दिवस पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वत्र, सर्वोत्तम, सुरक्षा इन तीन सिद्धांतों के साथ और समर्पण, साहस और राष्ट्रभक्ति को अपनी पहचान बनाकर, एनएसजी ने चार दशकों तक इस देश में संगठित अपराध और आतंकवाद के खिलाफ एक कठिन लड़ाई लड़ी है। शाह ने कहा कि हम सभी ने अभी–अभी देखा है कि इस प्रदर्शन को देखने के बाद, देश का प्रत्येक नागरिक अपने दिल और दिमाग में इस संतुष्टि के साथ जा रहा है कि हम, हमारी सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई बहुत सुरक्षित हाथों में है। शाह ने कहा कि आज जिस विशेष अभियान प्रशिक्षण केंद्र (एसओटीसी) का उद्घाटन किया गया, वह न केवल एनएसजी के लिए, बल्कि राज्य पुलिस बलों को प्रशिक्षित करने के लिए भी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि मैं सभी राज्य पुलिस बलों को बताना चाहता हूं कि आज जिस विशेष अभियान प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया है, वह केवल एनएसजी के लिए ही नहीं, बल्कि आप सभी को प्रशिक्षित करने के लिए भी है। हम एनएसजी की भूमिका में बड़े बदलाव करने जा रहे हैं। एनएसजी का नया केंद्र अयोध्या में स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही, एनएसजी के सभी छह केंद्र, जिन्हें एसएसजी के नाम से जाना जाता है, किसी भी आतंकी हमले को कम करने में मदद करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अनुच्छेद 370 को खत्म करने से लेकर, हमने आतंकवादियों के प्रमुख ठिकानों पर हमला किया है। हमने यह स्पष्ट कर दिया है।

जब आरएसएस ने गांधी को नहीं छोड़ा तो मुझे क्या छोड़ेंगेः प्रियांक खरगे

बंगलूरू,(एजेंसी)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया है कि जब से उन्होंने सीएम को पत्र लिखकर आरएसएस की गतिविधियों को सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और राज्य सरकार के मंदिरों से रोकने की मांग की है। तब से उन्हें लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं। पढ़ें कांग्रेस नेता ने इसे लेकर और क्या–क्या कहा है... कर्नाटक में सरकारी जगहों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाले कांग्रेस नेता और राज्य सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने आरएसएस पर बड़ा आरोप लगाया है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने बताया है कि पिछले दो दिनों से उन्हें लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं। प्रियांक खरगे बोले– मैं न तो विचलित और न ही हैरान कांग्रेस नेता के अनुसार, शपिछले दो दिनों से मेरे फोन की घंटी बजती रही है। मुझे और मेरे परिवार को धमकियों, डराने–धमकाने और सबसे गंदी गालियों से भरे फोन आ रहे हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि मैंने सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक संस्थानों में आरएसएस की गतिविधियों पर सवाल उठाने और उन्हें रोकने की हिम्मत की थी।

शांति स्थापना मजबूत–प्रभावी बनी रहे, यूएनटीसीसी सम्मेलन में बोले सेना प्रमुख

● भारत को बताया सबका मित्र

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन को थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत शांति स्थापना में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र के कुल 71 शांति अभियानों में से 51 अभियानों में लगभग तीन लाख पुरुषों और महिलाओं को भेजा है। नई दिल्ली में दो दिवसीय संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों का सम्मेलन शुरू हो गया है। जिसकी मेजबानी भारतीय सेना कर रही है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 32 देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी एक साथ उपस्थित रहेंगे। यूएनटीसीसी सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भविष्य की शांति स्थापना के लिए एक साझा दृष्टिकोण विकसित करना और उभरते खतरों पर विचार–विमर्श करना है। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का संबोधन यूएनटीसीसी के प्रमुखों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंगलवार (14 अक्तूबर) को थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, ष्शांति स्थापना में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक भारत ने संयुक्त राष्ट्र के कुल 71 शांति अभियानों में से 51 अभियानों में लगभग 3,00,000 पुरुषों और महिलाओं को भेजा है। हमारे सैनिकों ने जहां एक ओर अडिग संकल्प के साथ सेवा की है, वहीं दूसरी ओर हमें अमूल्य अनुभव भी प्राप्त हुआ है, जिसे हम हमेशा सभी के साथ साझा करने के लिए तत्पर हैं।ष अपने संबोधन में थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आगे कहा कि नई दिल्ली स्थित संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र, जिसे राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नत किया गया है, ने शांति स्थापना कार्यों में शामिल होने के लिए आपके कई अधिकारियों की मेजबानी की है, जिससे साझा समझ को बढ़ावा मिला है और अंतर–संचालन क्षमता का निर्माण हुआ है।

डब्ल्यूएचओ ने भारत में खराब गुणवत्ता वाले कफ सिरप के खिलाफ चेतावनी जारी की

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में पाए गए ''खराब गुणवत्ता'' वाले खांसी के तीन सिरप – कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश टीआर और रीलाइफ के खिलाफ चेतावनी जारी की है। संगठन ने विश्वभर के राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों से कहा है कि यदि ये सिरप उनके देश में पाए जाएं, तो तुरंत डब्ल्यूएचओ को इसकी सूचना दें। विश्व स्वास्थ्य संगठन

(डब्ल्यूएचओ) ने भारत में पाए गए ''खराब गुणवत्ता'' वाले खांसी के तीन सिरप – कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश टीआर और रीलाइफ के खिलाफ चेतावनी जारी की है। संगठन ने विश्वभर के राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों से कहा है कि यदि ये सिरप उनके देश में पाए जाएं, तो तुरंत डब्ल्यूएचओ को इसकी सूचना दें। डब्ल्यूएचओ ने स्वास्थ्य पेशेवरों को भी सलाह दी है कि वे इन खराब गुणवत्ता की दवाओं का पता लगने तथा प्रतिकूल प्रभाव की किसी भी घटना की सूचना अपने राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों या 'नेशनल फार्माकोविजिलेंस सेंटर' को दें।यह अलर्ट उस समय जारी किया गया है जब मध्य प्रदेश में कम से कम 22 बच्चों की कोल्ड्रिफ सिरप पीने के बाद संदिग्ध रूप से किडनी खराब होने के कारण मौत हो चुकी है। इसके अलावा राजस्थान में भी तीन बच्चों की मौत खांसी का सिरप पीने के बाद हुई है।

कार्यालय जिलाधिकारी, सोनभद्र

(आबकारी विभाग)

सावधान !

अवैध शराब के सेवन से बचें!

सावधान !

अपील

आगामी त्योहार के दृष्टिगत जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध अड्डों से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन कदापि न करें, क्योकि अवैध अड्डों से मिलने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है। अपने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अधिकृत आबकारी ठेके से ही बारकोड / क्यू.आर. कोड एवं सील लगी मदिरा/शराब खरीदें। अवैध अड्डों पर महुए एवं अन्य माध्यम से बनी शराब किसी भी हालत में न खरीदे क्योकि यह पूर्णतया नकली एवं जानलेवा है।

उक्त के अतिरिक्त यह भी सूचित किया जाता है कि विभिन्न प्रकार के समारोह, शादी विवाह, उत्सव व पार्टी आदि के आयोजन स्थल पर मदिरा उपयोग (परोसने) करने हेतु https://excise.up.gov.in पर रजिस्ट्रेशन कर समस्त औपचारिकताए पूर्ण करते हुए अकेजनल बार अनुज्ञापन (एफ०एल०-11) प्राप्त किया जा सकता है।

यदि किसी समारोह स्थल पर अथवा किसी व्यक्ति के कब्जे में प्रदेश के बाहर की मदिरा पायी जाती है. तो निम्नलिखित अधिकारियों के मोबाईल नम्बर पर तत्काल सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम व पता गुप्त रखा जायेगा।

1. जिला आबकारी अधिकारी, सोनभद्र। मो0नं0-9454465619
2. आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-1 राबर्टसगंज, सोनभद्र। मो0नं0-8004165518
3. आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-2 दुद्धी, सोनभद्र। मो0नं0-8423636665
4. आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र-3 घोरावल, सोनभद्र। मो0नं0-8800807279

उक्त के अतिरिक्त अवैध मदिरा के निर्माण/ बिक्री के सम्बन्ध में शिकायत विभागीय टोल फ्री नम्बर 14405 एवं व्हाट्स एप नम्बर 9454466019 पर की जा सकती है।

जिला आबकारी अधिकारी,
सोनभद्र

उत्तर प्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बन रहा है हब

रायबरेली, संवाददाता। सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र, सरकार और उद्योगों के विकास के लिए महत्वपूर्ण होते है, जो ई–गवर्नेंस इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण और डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने में प्रमुख भूमिका निभाते है। सूचना प्रौद्योगिकी मुख्य रूप से कम्प्यूटर साफ्टवेयर, नेटवर्किंग और डेटा से सम्बन्धित होते है जबकि इलेक्ट्रानिक्स इलेक्ट्रानिक उपकरणों और सर्किट के डिजाइन, निर्माण और रखरखाव पर केन्द्रित है। वर्तमान में विश्व के जिस देश में सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र विकसित है, वह देश चतुर्दिक क्षेत्रों में विकसित होकर आर्थिक रूप से समृद्ध हो गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आई0टी0 का हब बन रहा है। उत्तर प्रदेश में अधिकाधिक निवेश के लिए निवेशकों को आकर्षित किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा प्रख्यापित ''उ०प्र० इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति–2020 (प्रथम संशोधन)'', ''उ0प्र0 स्टार्टअप नीति–2020 (प्रथम संशोधन)'' तथा ''उ0प्र0 डाटा सेन्टर (प्रथम संशोधन) नीति–2021'', ''उ0प्र0 सूचना प्रौद्योगिकी एवं सू०प्रौ० जनित सेवा नीति–2022'' तथा ''उ0प्र0 सेमीकण्डक्टर नीति–2024'' प्रचलित हैं। सभी नीतियों में प्रदेश के पूर्वांचल तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्रों के विकास के लिए अधिक आकर्षक वित्तीय प्रोत्साहनों का प्राविधान है। महिला/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ट्रांसजेंडर/दिव्यांगजन वर्ग के हितों को भी दृष्टिगत रखा गया है। प्रदेश सरकार की उ0प्र0 इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति–2025 पर माननीय मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। प्रदेश शासन की नई स्टार्टअप नीति निर्माणाधीन है और शीघ्र ही प्रख्यापित की जायेगी। प्रदेश सरकार की आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स नीति भी बनाई जा रही है और शीघ्र ही प्रख्यापित कर दी जायेगी। विभाग की नीतियों के अन्तर्गत माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, पेटीएम, एचसीएल, विप्रो, हॉयर इलेक्ट्रानिक्स, सैमसंग, एलजी इलेक्ट्रानिक्स, एनएक्सपी, डिक्सन, ऑप्टिमस, एडवर्ब, कैडेन्स, मेंटर ग्राफिक्स, क्वालकॉम, एनवीडिया, केएचवेटेक, सैमसंग, वामासुन्दरी सेमीकण्डक्टर (एचसीएल समूह) और टार्क सेमीकण्डक्टर (हीरानन्दानी समूह), अडाणी, योट्टा, सिफी, एनटीटी, वेबवर्क्स आदि अग्रणी निवेशकों द्वारा प्रदेश में अपनी परियोजनायें स्थापित की गई/स्थापनाधीन हैं। उत्तर प्रदेश सेमीकण्डटर नीति–2024 के अंतर्गत सेमीकण्डक्टर विनिर्माण में निवेश आकर्षित करने हेतु भारत सरकार की पहल के अनुरूप सेमीकण्डक्टर क्षेत्र में वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक स्वतन्त्र सेमीकण्डक्टर नीति प्रख्यापित की गई है। सेमीकण्डक्टर इकाइयों के लिए डेडीकेटेड प्राविधान आरम्भ करने वाला उत्तर प्रदेश देश का चौथा राज्य है। नीति प्रख्यापन के प्रथम वर्ष में ही मेसर्स टॉर्क सेमीकण्डक्टर्सप्राइवेट लिमिटेड की रु 28,440 करोड़ तथा मेसर्स वामासुन्दरी इन्वेस्टमेण्ट्स (दिल्ली) प्रा०लि0 की रु 3,706.12 करोड़ के निवेश वाली दो वृहद परियोजनाओं को निवेश हेतु अनुमोदन प्रदान कर लेटर ऑफ कम्फर्ट निर्गत कर दिया गया है। इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में प्रदेश सरकार की उ०प्र० इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण नीति–2017 के अन्तर्गत नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र भारत के इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण हब के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। इस नीति के अन्तर्गत सैमसंग, हॉयर, हॉलिटेक, सनवोडा, वीवो, ओप्पो आदि प्रतिष्ठित निवेशकों द्वारा अपनी इकाईयों स्थापित की गई हैं। ईकोटेक–6, सेक्टर–ई, ब्लॉक–सी, ग्रेटर नोएडा स्थित 100 एकड़ भू–क्षेत्र में इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर की स्थापना की जा रही है। परियोजना हेतु एस.पी.वी. कम्पनी ''मेसर्स टग्रा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड'' की एंकर इकाई मेसर्स ओप्पो मोबाइल्स इण्डिया प्रा०लि० है, तथा इसमें 7 अन्य सदस्य इकाइयाँ हैं। परियोजना निर्माणाधीन है। सूचना प्रौद्योगिकी/सू०प्रौ० जनित सेवा निर्यात 2015 में रु 15,000 करोड़ से बढ़कर 2024–25 में रु 75,000 करोड़ से अधिक का हो गया है, जो 16 प्रतिशत सीएजीआर दर्ज कर रहा है। प्रदेश सरकार की पूर्व सूचना प्रौद्योगिकी नीति 2017–2022 के अन्तर्गत लगभग रु 5,584 करोड़ के निवेश एवं लगभग 53,000 रोजगार अवसरों युक्त इकाइयों स्थापित हुई है। माइक्रोसॉफ्ट इण्डिया, पेटीएम, टाटा कन्सल्टेन्सी, मैक इण्डिया तथा एसपीएन इन्फोसिस्टम्स आदि इस नीति के अन्तर्गत प्रमुख निवेशक हैं। उ0प्र0 सूचना प्रौद्योगिकी एवं सू०प्रौ० जनित सेवा नीति–2022 के अन्तर्गत रु 17 करोड़ के निवेश तथा 900 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सम्भावनाओं युक्त दो परियोजनाओं की स्थापना हेतु अनुमोदन प्रदान कर निवेशकों को लेटर ऑफ कम्फर्ट प्रदान किया गया है। लगभग रु 48 करोड़ से अधिक के निवेश तथा लगभग 2700 रोजगार सम्भावनाओं वाले तीन परियोजना प्रस्ताव अनुमोदन की प्रक्रियाधीन है।

सोनी परिवार के द्वारा विशाल ब्रह्म भोज का किया गया आयोजन

लालगंज रायबरेली, संवाददाता। लालगंज के प्रतिष्ठित सर्राफा व्यवसाई विजय सोनी और उनकी धर्मपत्नी पिंकी सोनी के द्वारा सूदन खेड़ा आचार्य नगर वार्ड में विशाल ब्रह्म भोज का आयोजन किया गया।

ब्रह्म भोज में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। विजय सोनी ने बताया कि बैकुंठ धाम वासी पितरों के पुण्य लाभ के लिए ब्रह्म भोज का आयोजन किया गया है। ब्रह्म भोज की तैयारी काफी दिनों से चल रही थी। जगन्नाथ पुरी गया धाम की यात्रा के बाद बड़े ही धार्मिक बिधि विधान से ब्रह्म भोज का आयोजन किया गया। मां भगवती का श्रृंगार और विशाल जागरण का भी आयोजन सोनी परिवार के द्वारा आयोजित कियागया। इस अवसर पर परंपरा के अनुसार कुदुवा भोज भी कराया गया। सोनी परिवार के द्वारा लोगों को जय श्री राम पट्टिका के द्वारा सम्मानित भी किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरिता गुप्ता और कांग्रेस के जिला सचिव दीपेंद्र गुप्ता का भी जोरदार स्वागत हुआ।कार्यक्रम के अवसर पर शिवम सोनी, धून, सरवन, राजकुमार, शिवकुमार , के के,अरुण, सूरज, रजत, राजा, अजय, अंशू, गौरव, सौरभ, राम जाने, ओम, शिवांश, रूद्र ,युवराज, दिव्यांश ,कान्हा सहित पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील शुक्ला, व्यापार मंडल अध्यक्ष विवेक शर्मा, मृत्युंजय बाजपेई ,अप्पू शर्मा, रोहित सोनी, शिवम गुप्ता ,कौशलेंद्र कंचन, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रामबाबू गुप्ता, रणविजय सिंह ,मोहम्मद याकूब, विजय सिंह,पुष्कर गुप्ता सहित नगर के सम्मानित लोग मौजूद रहे।

संघ शक्ति के विस्तार से परम वैभवी भारत होगा: डॉ पंकज पटवा

लालगंज रायबरेली, संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गठन के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में लालगंज के खीरो ब्लॉक के राजा गेस्ट हाउस में श्री विजयादशमी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आरएसएस के

अवध प्रांत के प्रांत महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्य प्रमुख डॉ. पंकज पटवा रहे। मुख्य वक्ता तथा खंड संघचालक जिनके द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के चित्र पर पुष्प अर्चन एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। उसके बाद स्वंयसेवकों ने क्षेत्र में पथसंचलन किया जो क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होता हुआ राजा गेस्ट हाउस में आकर समाप्त हुआ। रास्ते में कई जगह क्षेत्र की जनता ने स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षाकर उनका अभिन्नदन किया। डॉ. पंकज पटवा ने संघ के गठन और उसके इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उसके द्वारा समाज के हित में किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संपूर्ण समाज को एक साथ लेकर भारत को परम वैभव पर ले जाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहा है । संगठित समाज ही शक्ति संपन्न समाज का निर्माण करता है। आज विश्व में जहां कहीं भी हिंदू समाज है वहां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संघ कार्य कर रहा है। हम सब मिलकर भारत को वैभवशाली राष्ट्र बनाने के लिए स्वदेशी को अपने जीवन का हिस्सा बनाए।उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रत्येक विपदा में स्वयंसेवक सबसे पहले आगे आकर सेवा के कार्य में जुट जाते है। खंड कार्यवाह जी ने कार्यक्रम के लिए स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए सम्मिलित गणमान्य जनता का धन्यवाद किया। संघ गीत के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ। कार्यक्रम में आदरणीय जिला प्रचारक अजीत , जिला कार्यवाह अनन्त वाजपेई, खण्ड कार्यवाह धर्मेन्द्र, सह खण्ड कार्यवाह श्रीहरि, खण्ड विस्तारक ऋग्वेद आदि लोग उपस्थित रहे । सभी स्वयंसेवक कार्यकर्ता बंधुओं के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्र की गणमान्य जनता भी सम्मिलित हुई।

पुलिस ने मुठभेड़ में लुटेरा गिरफ्तार, ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पकड़ा गया

बांदा,संवाददाता। पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत एक अंतर्राज्यीय लुटेरे ब्रजेन्द्र उर्फ भाऊ को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। इस दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी है। ब्रजेन्द्र पर मटौंध थाना क्षेत्र में लूट की घटना को अंजाम देने का आरोप है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। यह घटना 12 अक्टूबर 2025 को हुई थी, जब कोतवाली नगर क्षेत्र के जोगिनी मंदिर के पास खाईपार निवासी गोविंद कुमार से तीन अज्ञात व्यक्तियों ने नकदी लूट ली थी। इस संबंध में मटौंध थाने में मामला दर्ज कर अभियुक्तों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई थीं। देर रात मटौंध पुलिस और एसओजी टीम गौरिहार रोड पर चमरहा गांव मोड़ पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध असलहे के साथ चंद्रिका देवी मंदिर हरदौनी बसहरी रोड पर खड़ा है।

नियमों का अगर पटाखा दुकानदारो ने उल्लंघन किया तो होगी सख्त कार्यवाही –एसडीएम

दीपावली में पटाखे की दुकानों को लेकर प्रशासन सतर्क

लालगंज रायबरेली, संवाददाता। दीपावली में पटाखे की दुकानों को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्कता बरत रहा है। एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी ने बताया कि लालगंज तहसील क्षेत्र में पटाखा की 30 लाइसेंस सुदा दुकाने हैं। लालगंज में तीन दुकानें नगर के अंदर और दो दुकानें नगर के बाहर हैं। दुकानों का निरीक्षण कर सभी तरह के एहतियात बरतने के आदेश दुकानदारों को दिया गया है, अगर किसी भी पटाखा दुकानदार ने नियमों को दरकिनार किया तो सख्त कार्यवाही की जाएगी। दुकानों में अगर मानक से अधिक पटाखा पाया गया तो मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्यवाही भी कीजाएगी। वहीं एसडीएम ने कहा कि इस बार फुटकर दुकाने बस स्टेशन ग्राउंड की बजाय बैसवारा डिग्री कॉलेज के दोनों ग्राउंडो में लगेंगी। एक ग्राउंड में फैक्ट्री मेड और दूसरे ग्राउंड में देसी पटाखे बिकेंगे। उन्होंने बताया कि फुट कर दुकानदारों के लिए भी नियम बनाए गए हैं। सभी को तहसील से लाइसेंस लेना पड़ेगा और निर्धारित स्थान पर ही दुकान लगाएंगे।

18 अक्टूबर से लेकर 20 अक्टूबर तक 3 दिन दुकानलगेंगी। 17 अक्टूबर तक सभी को लाइसेंस दिए जाने की व्यवस्था बनाई जारही है। शायद आज बुधवार से फार्म जमा होनेलगेंगे। वहीं उन्होंने कहा कि प्रत्येक दुकान पर कपड़े की सीलिंग की जगह टीन सेड रखना पड़ेगा। कपड़े का प्रयोग नहीं होगा। एक दुकान से दूसरी दुकान का गैप भी 3 मीटर रहेगा। नाबालिक बच्चे दुकान में नहीं बैठेंगे। दुकान में बिजली का प्रयोग नहीं होगा। इसके अलावा दुकान में बालू, 200लीटर पानी और आग बुझाने का संयंत्र भी रखना पड़ेगा। हालांकि उन्होंने बताया कि मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां रहेगी फिर भी सभी दुकानदारों को स्वयं से भी सब कुछ रखना पड़ेगा।

रामचरितमानस अखंड पाठ से नैतिकता और आदर्शों की मिलती है शिक्षा–भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला

लालगंजरायबरेली, संवाददाता। गत वर्षो की तरह

रवि पंडित के द्वारा अपने आवास चचिहा मे धार्मिक विधि विधान से रामचरितमानस का अखंड पाठ आयोजित किया गया। आचार्यों के द्वारा गीत संगीत के साथ रामायण का पाठ किया गया। लोगों ने बड़े ही मनोयोग से रामायण पाठ का रसपान किया। इस पावन अवसर पर भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला ने कहा कि रामचरितमानस हिंदुओं के लिए एक अत्यधिक पवित्र और प्रेरणादायक ग्रंथ है। इसमें भगवान राम की कथा के माध्यम से जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों और नैतिकता का वर्णन किया गया है। समाज के अनुसरण के लिए रामचरितमानस में भगवान राम के चरित्र के माध्यम से धर्म और न्याय के महत्व को दर्शाया गया है। उन्हों ने कहा कि रामायण का पाठ सुनने मर्यादा पुरुषोत्तम राम के चरित्र से नैतिकता और आदर्शों की शिक्षा मिलती है। रवि पंडित ने कहा कि रामचरितमानस में कर्तव्य और निष्ठा के महत्व पर जोर दिया गया है, जो हिंदू जीवन दर्शन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रामचरितमानस में आत्म–संयम और त्याग के महत्व को दर्शाया गया है, जो व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक हैं। इसमें धैर्य और सहनशीलता की शिक्षा दी गई है, जो जीवन की चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है। अनुराग बाजपेई ने कहा कि रामचरितमानस में प्रेम और करुणा के महत्व पर जोर दिया गया है, जो सामाजिक सद्भावना के लिए आवश्यक हैं। सुशील शुक्ला ने कहा कि रामायण में सत्य और न्याय के महत्व को दर्शाया गया है, जो समाज के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कहा कि रामचरितमानस हिंदुओं के लिए एक मार्गदर्शक ग्रंथ है, जो जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान करता है। इस अवसर पर इस अवसर पर रामायण के श्रोतागण मौजूदरहे।

हज यात्रियों को प्रशिक्षण प्रदान किए जाने हेतु ऑनलाइन आवेदन 20 अक्टूबर तक

रायबरेली, संवाददाता। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रायबरेली महिमा ने हज–2026 पर जाने वाले समस्त हज यात्रियों से कहा है कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, उ०प्र० राज्य हज समिति के हज यात्रियों को प्रशिक्षण प्रदान किए जाने हेतु प्रशिक्षकों के चयन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया एवं अर्हताओं के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिये गये है। उन्होंने बताया है कि ऑनलाइन आवेदन 07 अक्टूबर, 2025 से आरम्भ हो गया है जो 20 अक्टूबर, 2025 तक जारी रहेगा। ऑनलाइन आवेदन हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट ीजजचेरूध्धंरबवउउपजजमम.हवअ.पद पर किया जायेगा। कम्प्यूटर बेस्ड परीक्षा (सी०बी०टी०) हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा 08 नवम्बर, 2025 को की जाएगी। कंप्यूटर बेस्ट परीक्षा (सी०बी०टी०) में शार्टलिस्टेड परीक्षार्थियों का साक्षात्कार नवम्बर, 2025 के द्वितीय सप्ताह में होगा। उन्होंने बताया है कि चयनित प्रशिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण मुम्बई में नवम्बर, 2025 के चौथे सप्ताह में सम्भावित होगा। केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किये जाएंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य नहीं होंगे। आवेदन करते समय आवश्यक प्रपत्र जैसे पासपोर्ट साइज फोटो, हज किये होने के प्रमाण के रूप में जारी वीजा की फोटो प्रति, पासपोर्ट की फोटो प्रति, बैंक खाते की पासबुक का प्रथम पेज अथवा कैसण्ल्ड चेक, शिक्षा प्रमाण पत्र आदि अपलोड किया जाना आवश्यक है। 150 हज आवेदकों पर 01 प्रशिक्षक का चयन किया जायेगा। आवेदकों की न्यूनतम शिक्षा इंटरमीडिएट/12वीं पास या समकक्ष होना आवश्यक है। स्नातक जिनको सूचना तकनीकी का ज्ञान होगा उनको वरीयता दी जाएगी। प्रशिक्षक हेतु आयु 07 अक्टूबर, 2025 को 25 वर्ष से 60 वर्ष के भीतर होना आवश्यक है। पुरुष/महिलाओं का चयन पुरुष/महिला हज यात्रियों की संख्या के अनुपात में किया जायेगा। गत पाँच वर्षों में हज किया होना आवश्यक है अंग्रेजी/उर्दू/हिन्दी व स्थानीय भाषा बोलने व समझने में निपुण हो।मानसिक एवं शारीरिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ हो। कम्प्यूटर में निपुण हो, हज सुविधा एप से पूर्णतः भिज्ञ हो। हज के अराकानों की जानकारी हो। भीड़/समूह को सम्बोधित करने व नियंत्रित करने का अनुभव हो।आवेदक के विरूद्ध किसी भी आपराधिक प्रकरण में कार्यवाही लंबित न हो। कम्प्यूटर बेस्ड परीक्षा (सी०बी०डी०) 100 अंक व साक्षात्कार 20 अंक के संयुक्त अंकों की मेरिट के आधार पर चयन होगा। उत्तीर्ण होने के लिए कम्प्यूटर बेस्ड परीक्षा (सी०बी०डी०) व साक्षात्कार में अलग–अलग न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने मृतक श्रमिक का 24 घण्टे के अन्दर जारी कराया मृत्यु प्रमाण पत्र

रायबरेली, संवाददाता। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने प्रेमा पत्नी स्व0 शिव बहादुर सिंह निवासी ग्राम अजीतपुर, विकासखंड खीरों जनपद रायबरेली को उनके पति का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि प्रेमा के पति स्व0 शिव बहादुर सिंह नेपाल में ईंट भट्ठे पर कार्य करते थे, जिनकी मृत्यु वर्ष 2021 में नेपाल में हो गयी थी, लेकिन अन्तिम संस्कार जनपद रायबरेली में हुआ था। प्रेमा विगत 04 वर्ष से अपने पति का मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने के लिए प्रयासरत थी, लेकिन मृत्यु प्रमाणपत्र नही बन पा रहा था। 13 अक्टूबर 2025 को जिलाधिकारी जनसुनवाई कर रही थी, प्रेमा ने जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी व्यथा सुनाई, जिसका संज्ञान लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। जिसके क्रम में 24 घण्टे के अन्दर महिला के पति का मृत्यु प्रमाणपत्र जारी कराते हुए, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अन्तर्गत मृतक के पुत्र व पुत्री को पृथक–पृथक 2500–2500 रुपये प्रतिमाह की स्वीकृति, निराश्रित पेंशन योजनान्तर्गत रूपये 1000 प्रतिमाह की स्वीकृति का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पात्रता की जांच करवाकर पात्र होने पर आवास का लाभ दिलाया जायें। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

अनुसूचितजाति/जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों को स्वरोजगार बनाने के लिए 04 माह का निःशुल्क प्रशिक्षण, करें आवेदन

रायबरेली, संवाददाता। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्या ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में जनपद के अनुसूचित जाति/जनजाति (सबप्लान–ट्राइवल सबप्लान) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग प्रशिक्षण योजनान्तर्गत युवक/युवतियों को स्वरोजगार के उद्देश्य सेटेलरिंग एवं कम्प्यूटर साफ्टवेयर ट्रेड में 04 माह का निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। उपायुक्त उद्योग ने अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के इच्छुक महिला/पुरूष अभ्यर्थियों से कहा कि जिसकी आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य तथा विशेष ट्रेड के लिए हाईस्कूल उत्तीर्ण हो, आवेदनपत्र ऑनलाइन वेबसाइट– ीजजचेरूध्धकपनचउेउम.नचेकब.हवअ.पद पर आमंत्रित किये जा सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सिविल लाइन्स, रायबरेली से सम्पर्क किया जा सकता है।

बिना स्वामित्व के कीमती दुकानों का इकरारनामा किए जाने का आरोप,बीस लाख रुपए हड़पने की शिकायत

लालगंजरायबरेली, संवाददाता। लालगंज नगर के सराफा मंडी चिकवाही मंडी निवासी निखिलेश कुमार गुप्ता ने कोतवाली पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि उन्होंने नवंबर 2022 में कोरिहाई लालगंज निवासी विकास चंद्र गुप्ता और विवेक गुप्ता पुत्रगण स्वर्गीय रामस्वरूप गुप्ता से 58 लाख रुपए में तीन दुकाने खरीदने के बाबत इकरारनामा कराया था। दुकाने महात्मा गांधी मार्ग सदर बाजार लालगंज में हैं। उन्हें एक दुकान का कब्जा भी मिल गया था। लेकिन जब उन्होंने इकरारनामा के आधार पर बैंक से ऋण लेना चाहा तो बैंक ने बताया कि विकास चंद्र गुप्ता और विवेक गुप्ता के नाम दुकानों का कोई स्वामित्व ही नहीं है। जांच पड़ताल में दुकानों का स्वामित्व स्वर्गीय भरत लाल गुप्ता के नाम है। दुकानों का स्वामित्व विकास और विवेक के नाम न होने के चलते जब निखलेश ने वास्तविक स्वामित्व कार से दुकानों का बैनामा कराने की बात कही तो दोनों लोग मुकर गए और उन्होंने कब्जा की गई दुकान में भी ताला बंद कर दिया। जिसके चलते निखिलेश कुमार गुप्ता ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से कीहै। उन्होंने पुलिस से विकास गुप्ता और विवेक गुप्ता के खिलाफ उनकेसाथ किए गए फर्जी वाड़े का मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

साकेत नगर लालगंज में संघ का पथ संचलन कार्यक्रम संपन्न

लालगंजरायबरेली, संवाददाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संगठन के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर साकेत नगर लालगंज में एकत्रीकरण और पथ संचलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। संघ के नगर प्रचारक पुष्पम ने बताया कि वर्तमान में शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है जिसके तहत संघ ने पंच परिवर्तन का लक्ष्य ले रखा है। नगर कार्यवाह इंद्रेश सिंह ने बताया कि शताब्दी वर्ष में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। वर्तमान में पूर्ण गणवेश में पथ संचलन कार्यक्रम चल रहे हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि संघ ने सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण,नागरिक कर्तव्य और स्वदेशी का भाव जागृत करने के लिए पंच परिवर्तन के सामाजिक कार्यों के साथ समाज के बीच जाएगा और संघ के स्वयंसेवक शताब्दी वर्ष में घर–घर संपर्क करेंगे। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने बड़े अनुशासन के साथ साकेत नगर बस्ती में पथ संचलन कार्यक्रम में अपनी अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अवसर पर लायक सिंह ,भोलेंद्र सिंह, श्याम दीक्षित, शीतला गुप्ता, राजेश सोनी आदि स्वयंसेवक मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेज बना कर दूसरे की जमीन बेची,किसान ने डीएम से जांच करने की मांग की

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन जनपद के उरई तहसील क्षेत्र में धोखाधड़ी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक किसान की लाखों रुपए की जमीन को एक फर्जी व्यक्ति ने उसी के नाम और पहचान पत्र का दुरुपयोग कर कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से बेच दिया। पीड़ित किसान ने जिलाधिकारी जालौन से इस पूरे प्रकरण की जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उरई तहसील के ग्राम गढ़र निवासी रामकुमार पुत्र स्व. मूलचन्द्र पटेल ने अन्य किसानों के साथ मिलकर जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि मौजा गढ़र में खाता संख्या 00254, खसरा संख्या 348 पर 4.8640 हेक्टेयर भूमि दर्ज है।

भारत की जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में हुए ये बदलाव

नई दिल्ली। इस जीत के बाद भी भारत विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2025–27 की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर ही रहा, लेकिन उसका पॉइंट प्रतिशत (च्ब्ज) 55.56: से बढ़कर 61.90: हो गया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने सात विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में भारत के खाते में 12 अंक और जुड़ गए और अब अंक तालिका में भारत के कुल अंक 40 से बढ़कर 52 हो गए हैं। इस जीत के बाद भी भारत विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2025–27 की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर ही रहा, लेकिन उसका पॉइंट प्रतिशत (च्ब्ज) 55.56: से बढ़कर 61.90: हो गया। वहीं, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस डब्ल्यूटीसी चक्र में अभी तक एक भी टेस्ट पूरा नहीं किया है। पाकिस्तान और द. अफ्रीका के बीच टेस्ट मैच जारी है। ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर बरकरार ताजा आंकड़ों के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत पॉइंट प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान पर कायम है। टीम ने अब तक तीन मैचों में तीन जीत दर्ज की हैं और उसके पास 36 अंक हैं और अंक प्रतिशत 100: है। ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी टीमों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर अपनी बढ़त मजबूत की है। उसे अब इंग्लैंड से एशेज खेलना है। श्रीलंका दूसरे स्थान पर, भारत तीसरे पर श्रीलंका दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर है। उसका पॉइंट प्रतिशत 66.67: है। वहीं भारत, छह मैचों में तीन जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है। दिल्ली टेस्ट जीतने

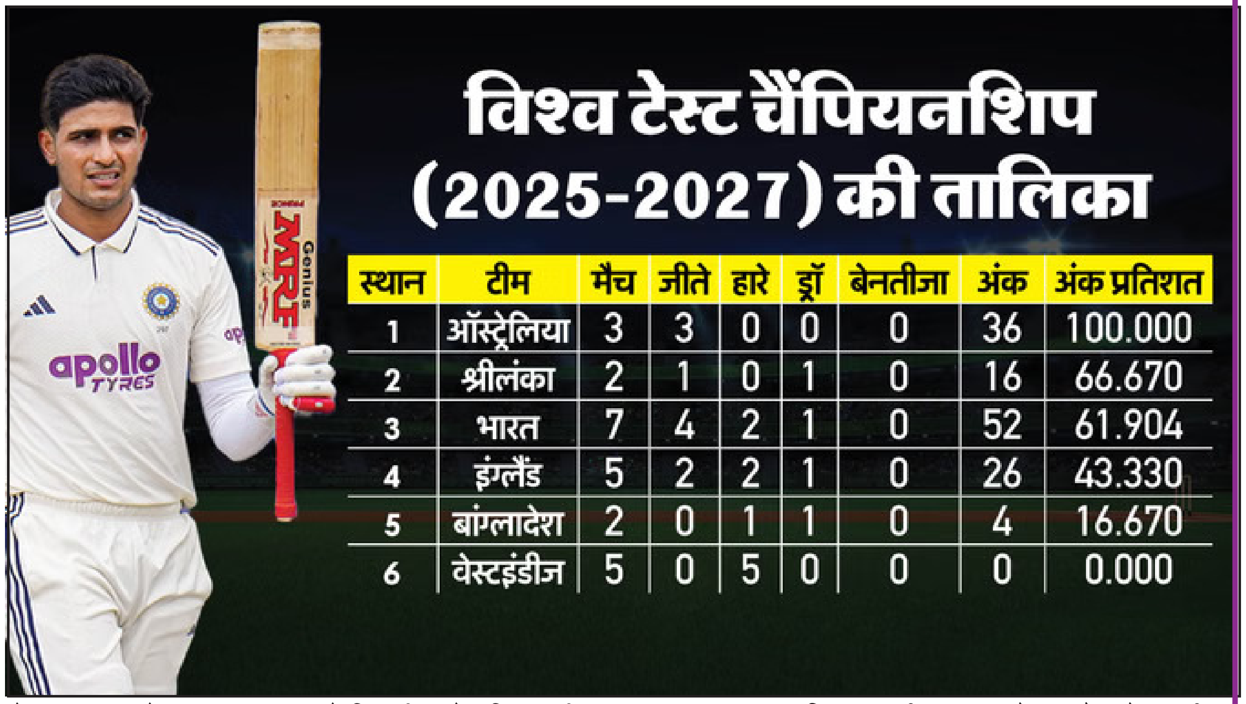

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2025-2027) की तालिका

स्थान	टीम	मैच	जीते	हारे	ड्रॉ	बेनतीजा	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	3	3	0	0	0	36	100.000
2	श्रीलंका	2	1	0	1	0	16	66.670
3	भारत	7	4	2	1	0	52	61.904
4	इंग्लैंड	5	2	2	1	0	26	43.330
5	बांग्लादेश	2	0	1	1	0	4	16.670
6	वेस्टइंडीज	5	0	5	0	0	0	0.000

के बाद भारत के कुल अंक 52 हो जाएंगे, लेकिन पॉइंट प्रतिशत के आधार पर वह अभी भी श्रीलंका से पीछे रहेगा। भारत की मौजूदा स्थिति मजबूत जरूर हुई है, लेकिन शीर्ष दो स्थानों पर पहुंचने के लिए टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर भारत इसी लय में आगे बढ़ता रहा, तो विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल 2027 में जगह बनाना मुश्किल नहीं होगा। बांग्लादेश और वेस्टइंडीज निचले पायदान पर इंग्लैंड दो जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 43.33: पॉइंट पर्सेंटेज के साथ चौथे स्थान पर है। वहीं बांग्लादेश और वेस्टइंडीज निचले दो स्थानों पर हैं। बांग्लादेश ने दो मैचों में केवल एक ड्रॉ हासिल किया है और उसका अंक प्रतिशत 16.67: है।

गिल ने बतौर कप्तान पहली टेस्ट सीरीज जीती, वेस्टइंडीज का किया सफाया

नई दिल्ली। भारत ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। तब भारत 270 रन से आगे था। ऐसे में भारत ने फॉलोऑन खिलाने का फैसला लिया और जवाब में वेस्टइंडीज की टीम ने 390 रन बनाए। वेस्टइंडीज की कुल बढ़त 120 रन की हुई और भारत को 121 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे टीम इंडिया ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। भारत ने दिल्ली में खेले गए दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया। जीत के लिए मिले 121 रन के लक्ष्य को भारत ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। मैच पांचवें दिन तक गया। भारत ने मंगलवार को एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलना शुरू किया और साई सुदर्शन (39 रन) और कप्तान शुभमन गिल (13) के विकेट गंवाए। केएल राहुल ने टेस्ट करियर का 20वां अर्धशतक लगाया और छह चौके और दो छक्के की मदद से 58 रन बनाकर नाबाद रहे। ध्रुव जुरेल छह रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था। भारत ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाकर पारी घोषित की थी। जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। तब भारत 270 रन से आगे था। ऐसे में भारत ने फॉलोऑन खिलाने का फैसला लिया और जवाब में वेस्टइंडीज की टीम ने 390 रन बनाए। वेस्टइंडीज की कुल बढ़त 120 रन की हुई और भारत को 121 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे टीम इंडिया ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। बतौर कप्तान गिल की पहली टेस्ट सीरीज जीत यह बतौर कप्तान शुभमन गिल की पहली टेस्ट सीरीज जीत है।

गंभीर का श्रीकांत पर पलटवार: कहा– हर्षित राणा के पिता चयनकर्ता नहीं

नई दिल्ली। गंभीर ने वेस्टइंडीज पर भारत की टेस्ट सीरीज जीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, श्यह शर्मनाक है कि कोई व्यक्ति अपना यूट्यूब चौनल चलाने के लिए 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बना रहा है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पूर्व कप्तान क्रिस श्रीकांत द्वारा 23 वर्षीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा पर लगाए गए आरोपों पर कड़ा पलटवार किया है।

मंगलवार को दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन के दौरान गंभीर ने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को ट्रोल करना और उस पर अनावश्यक आरोप लगाना पूरी तरह से शर्मनाक है। श्रीकांत ने राणा पर साधा था निशाना क्रिस श्रीकांत ने हाल ही में अपने यूट्यूब चौनल पर दावा किया था कि हर्षित राणा केवल इसलिए राष्ट्रीय टीम में हैं क्योंकि वह गंभीर के जी–हुजूरी करते हैं। श्रीकांत ने अपने चीकी चाका यूट्यूब चौनल पर कहा, श्सबसे अच्छा यही है कि हर्षित राणा की तरह गंभीर के सामने हमेशा हर बात पर हां कहने और जो कहे वो करने वाला बनो, तभी टीम में चयन हो सकेगा। टीम में केवल एक स्थायी सदस्य है और वह है हर्षित राणा। कोई नहीं जानता कि वह टीम में क्यों है। आप कुछ को उनके प्रदर्शन के बावजूद नहीं चुनते और दूसरों को चुन लेते हैं। इसलिए हर्षित की तरह गंभीर के सामने हमेशा हां करने वाला बनो।श श्रीकांत ने कहा– विश्व कप भूल जाओ श्रीकांत ने यह भी कहा कि अगर हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल किया जाता है, तो भारत को खिताब जीतने की उम्मीद छोड़ देनी चाहिए। श्रीकांत ने नीतीश रेड्डी के चयन को लेकर भी टीम मैनेजमेंट पर सवाल खड़े किए। उनका मानना है कि खिलाड़ी को वनडे फॉर्मेट में जल्दी ही एक निश्चित भूमिका में डाल दिया गया है, जबकि भारत को 2027 विश्व कप के लिए अच्छा प्रदर्शन और अनुभव वाले खिलाड़ियों पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, श्आपको 2027 वर्ल्ड कप के लिए टीम बनानी चाहिए। लेकिन मेरा मानना है कि उन्होंने ऐसा नहीं किया। अगर आप हर्षित राणा और नीतीश रेड्डी को संभावित खिलाड़ियों में रखते हैं, तो ट्रॉफी को अलविदा कह देना चाहिए।श श्23 साल के खिलाड़ी को ट्रोल करना शर्मनाकश गंभीर ने वेस्टइंडीज पर भारत की टेस्ट सीरीज जीत के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, श्यह शर्मनाक है कि कोई व्यक्ति अपना यूट्यूब चौनल चलाने के लिए 23 साल के खिलाड़ी को निशाना बना रहा है।

नया जम्मू–कश्मीर! एनएसई पर निवेशकों ने रचा इतिहास, एक दशक में 10 गुना बढ़ोतरी

जम्मू–कश्मीर ने पिछले 10 वर्ष में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर निवेशक आधार में 10 गुना वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़ती वित्तीय जागरूकता एवं औपचारिक वित्तीय प्रणालियों में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू–कश्मीर में निवेशक आधार 2015 में 65,000 से बढ़कर 2025 में 6.51 लाख हो गया जो 10 गुना वृद्धि दर्शाता है। वहीं समग्र राष्ट्रीय निवेशक आधार 2015 में 1.79 करोड़ से बढ़कर 2025 में 11.28 करोड़ हो गया जो 6.2 गुना वृद्धि दर्शाता है। एनएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आशीष कुमार चौहान ने कहा कि जम्मू–कश्मीर से बढ़ती भागीदारी देश के गहन वित्तीय समावेश और औपचारिक पूंजी बाजारों में बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने निवेशकों से आग्रह किया कि वे जानकारी रखें और सट्टेबाजी के बजाय दीर्घकालिक, ज्ञान–आधारित निवेश पर ध्यान केंद्रित करें। चौहान ने कहा, '' जब आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं, तो आप अनिवार्य रूप से एक उद्यमी बन रहे होते हैं और व्यवसायों की वृद्धि में योगदान दे रहे होते हैं।'' एनएसई के एक अधिकारी ने बताया कि 2010 में जम्मू–कश्मीर में निवेशकों की संख्या 40,000 थी जो 2014 में बढ़कर 60,000, 2015 में 65,000 और 2016 में 70,000 हो गई। अधिकारी ने कहा, '' कोविड–19 वैश्विक महामारी से ठीक पहले 2019 में यह संख्या एक लाख के आंकड़े को पार कर गई थी। तब से यह 2025 में बढ़कर 6.5 लाख हो गई है और वित्त वर्ष 2025–26 में इसके 7.1 लाख तक पहुंचने का अनुमान है।'' नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के मुख्य अर्थशास्त्री तीर्थंकर पटनायक ने कहा, '' निवेशक आधार में यह वृद्धि बेहतर इंटरनेट संपर्क, बढ़ती वित्तीय जागरूकता।

विकसित भारत की ओर बड़ा कदम!

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने सोमवार को विशाखापत्तनम में पहला गूगल एआई हब स्थापित करने की योजना की घोषणा की, इसे एक ऐतिहासिक विकास कहा जो गीगावाट–स्केल कंप्यूट क्षमता, एक नया अंतरराष्ट्रीय सब–सी गेटवे और बड़े पैमाने पर ऊर्जा बुनियादी ढांचे को जोड़ेगा। पिचाई ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से विशाखापत्तनम में पहले गूगल एआई हब के लिए हमारी योजनाओं को साझा करने के लिए बातचीत करना बहुत अच्छा लगा, जो एक ऐतिहासिक विकास है। यह घोषणा नई दिल्ली में गूगल द्वारा आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम भारत एआई शक्ति के दौरान की गई, जहां कंपनी ने विशाखापत्तनम हब के निर्माण के लिए अगले पांच वर्षों में 15 बिलियन डॉलर के निवेश की योजना का भी अनावरण किया – जो संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर इसकी सबसे बड़ी एआई सुविधा है। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन ने कहा कि यह नया केंद्र विशाखापत्तनम को एआई नवाचार का एक वैश्विक केंद्र बनाएगा, जो न केवल भारत, बल्कि एशिया के अन्य हिस्सों और उससे आगे भी सेवाएं प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह गीगावाट–स्तरीय एआई केंद्र स्थानीय स्तर पर डेटा संग्रहीत करेगा और विभिन्न क्षेत्रों में आई–संचालित समाधानों को सशक्त बनाने में मदद करेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह निवेश भारत के डिजिटल विकास के प्रति गूगल की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और स्थायी, स्थानीय रूप से एकीकृत डेटा अवसंरचना पर इसके फोकस को दर्शाता है। कार्यक्रम में उपस्थित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि यह परियोजना 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के विजन के अनुरूप है। नायडू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट मत था कि इसके लिए गूगल को भारत आना होगा। उन्होंने आगे कहा कि हम पहले माइक्रोसॉफ्ट को हैदराबाद लाए थे और आज गूगल विशाखापत्तनम आ रहा है। इसके साथ ही, हम एआई का उपयोग करके 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार कर सकते हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि गूगल का निवेश भारत के एआई मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, आईटी पेशेवरों के कौशल विकास में सहयोग करेगा और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। उन्होंने गूगल से अंडमान द्वीप समूह में नए अवसरों की तलाश करने का भी आग्रह किया और इसे भविष्य के अंडरसी केबल नेटवर्क के लिए एक रणनीतिक स्थान बताया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस सहयोग को प्रगतिशील नीति निर्माण और गतिशील शासन के बीच सामंजस्य का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की परियोजनाएँ तकनीकी परिवर्तन की अगली लहर का नेतृत्व करने के लिए भारत की तत्परता को रेखांकित करती हैं।

संक्षिप्त

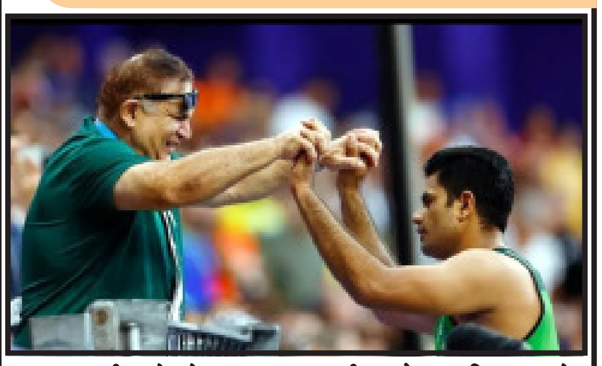

अरशद नदीम के कोच पर लगा आजीवन बैन, पाकिस्तान के एथलेटिक्स महासंघ ने लिया ये फैसला

पाकिस्तान के शीर्ष भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम के लंबे समय से कोच सलमान इकबाल पर रविवार को देश के एथलेटिक्स महासंघ ने पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के आरोप में आजीवन प्रतिबंध लगा दिया। वह इस संघ के अध्यक्ष हैं। आजीवन प्रतिबंध के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते और कोचिंग भी नहीं दे सकते हैं और किसी भी स्तर पर कोई पद पर काबिज नहीं हो सकते हैं। पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ ने इकबाल पर पंजाब संघ के चुनाव कराकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जो अगस्त में हुए थे। सितंबर में एक जांच समिति का गठन किया गया था और इसने पाकिस्तान खेल बोर्ड को दिए गए उनके जवाब के एक दिन बाद 10 अक्तूबर को इकबाल पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। ये फैसला हाल में इकबाल द्वारा पीएसबी को भेजे गए जवाब से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जिसमें उन्होंने उनसे टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में नदीम के खराब प्रदर्शन के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था। पीएसबी ने भाला फेंक खिलाड़ी की ट्रेनिंग और यात्रा पर हुए खर्च के बारे में भी जानकारी मांगी थी। इकबाल ने अपने जवाब में कहा कि, अरशद की तैयारियों में पिंडली की मांसपेशियों की समस्या के कारण हुई सर्जरी के कारण बाधा आई। टोक्यो में ट्रैक हार्ड था। मौसम गर्म और उमस भरा था। इससे विभिन्न स्पर्धाओं में कई एथलीटों का प्रदर्शन प्रभावित हुआ। उन्होंने खुलासा किया कि पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ ने पिछले एक साल से नदीम से संबंधित किसी भी चीज से खुद को अलग कर लिया था।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, ये दो धाकड़ खिलाड़ी हुए बाहर

19 अक्टूबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज पर्थ में होने जा रहा है लेकिन सीरीज शुरू होने से पहले ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को डबल झटका लगा है। टीम के मुख्य स्पिनर एडम जम्पा और विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंगलिश पहले वनडे से बाहर हो गए हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने से टीम इंडिया को राहत जरूरी मिली है, खासकर विराट कोहली के लिए, क्योंकि जम्पा उन्हें कई बार परेशान कर चुके हैं।

वो 23 साल का बच्चा है... हर्षित राणा को लेकर हेड कोच गौतम गंभीर किस पर भड़के?

भारत ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज पर अपना कब्जा किया। मैच के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर प्रेस कॉन्फ्रेंस में आए। इस दौरान वह हर्षित राणा को ट्रोल करने वालों पर भड़के और इसे उन्होंने शर्मनाक बताया। बता दें कि, साधारण प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में लगातार मौके मिलने के कारण हर्षित को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है। इस दौरान गंभीर ने कहा कि, ये थोड़ा शर्मनाक है कि आप एक 23 साल के लड़के को व्यक्तिगत रूप से निशाना बना रहे हैं। हर्षित के पिता पूर्व चेयरमैन नहीं हैं। ये सही नहीं है कि आप किसी व्यक्ति को निशाना बना रहे हैं। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ठीक नहीं है और उनका माइंडसेट सोचिए। किसी का भी बच्चा क्रिकेट खेलेगा, ये सुनिश्चित करना हर किसी की नैतिक जिम्मेदारी कि भारतीय क्रिकेट अच्छा प्रदर्शन करे। गंभीर ने आगे कहा कि, अपना यूट्यूब चौनल चलाने के लिए कुछ मत कहिए। अगर आप चाहें तो मुझे निशाना बनाइए। मैं इसे संभाल सकता हूं लेकिन उस बच्चे को अकेला छोड़ दीजिए और ये भी युवा सितारों के लिए एक जैसा है। फिलहाल बता दें कि, हर्षित राणा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे और टी20 सीरीज का हिस्सा हैं। 23 वर्षीय हर्षित के इंटरनेशनल प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर लिया है। उन्होंने 2 टेस्ट, 5 वनडे और 3 टी20 मैच खेले हैं। टी20 में उनकी इकॉनमी 10 से ज्यादा की है, इस फॉर्मेट में उन्होंने 3 मैचों में 5 विकेट लिए हैं।

रोहित–कोहली वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेलेंगे? गौतम गंभीर ने दिया हर बात का जवाब

भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2–0 से जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कई अहम बातें शेयर कीं। गंभीर ने कहा कि, रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दो बेहतरीन खिलाड़ी अभी 50 ओवर के वर्ल्ड कप 2027 में खेल सकते हैं लेकिन वर्तमान पर फोकस कना जरूरी है। शुभमन गिल ने इंग्लैंड में बतौर टेस्ट कप्तान चुनौतीपूर्ण परीक्षा पास की है। गंभीर ने युवा खिलाड़ियों की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर युवा खिलाड़ियों को निशाना नहीं बनाना चाहिए। दरअसल, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब गंभीर से विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल पूछा गया तो टीम इंडिया के हेड कोच ने कहा कि, 50 ओवर का वर्ल्ड कप अभी करीब ढाई साल दूर है। रोहित और कोहली दोनों बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उम्मीद है कि वे अच्छा करेंगे, लेकिन फिलहाल वर्तमान पर ध्यान देना जरूरी है। वहीं गंभीर ने ये भी कहा कि किसी खिलाड़ी को टीम से बाहर करना मेरे लिए बहुत भावनात्मक फैसला होता है। साथ ही इस दौरान उन्होंने नीतीश रेड्डी को लेकर कहा कि, उन्होंने बाहर के दौरों पर अच्छा प्रदर्शन किया है और वे जहां भी खेलें, मौका पाने के हकदार हैं। गंभीर ने शुभम गिल की कप्तान पर कहा कि, कप्तान के तौर पर वह हर कसौटी पर खरे उतर रहे हैं। उसे कप्तान बनाकर किसी ने अहसान नहीं किया, वह इसका पूरा हकदार है। शुभमन से पहले मुझे खुद के लिए एक मानसिक मजबूती कोच की जरूरत है। लेकिन कुल मिलाकर उसने अपने काम और बातों से सबका सम्मान हासिल किया है।

सीरीज जीतने के बाद शुभमन गिल ने इस खिलाड़ी को सौंपी ट्रॉफी, एमएस धोनी की प्रथा तोड़ी

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के बाद कप्तान शुभमन गिल ने पूर्व कप्तान एमएस धोनी की प्रथा को तोड़ दिया है। दरअसल, धोनी सीरीज जीतने के बाद ट्रॉफी टीम के सबसे नए खिलाड़ी को सौंपते थे फिर चाहे उसने डेब्यू किया हो या नहीं।

सम्पादकीय

जोखिमभरी शांति

अब भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दंभी तेवरों की तर्ज पर लाख दावे करते रहें कि गाजा युद्ध समाप्त हो गया है। मगर हकीकत है कि एक छोटी सी चिंगारी भी युद्ध को भड़का सकती है। एक हकीकत है कि दो साल से जारी युद्ध में जहां एक ओर भले ही गाजा पूरा तबाह हो गया हो, लेकिन इसके बावजूद हमास के लड़ाके पीछे हटने को तैयार नहीं दिखे। उनके पास ट्रंप के भारी दबाव व परिस्थितियों के चलते शांति समझौते को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प बचा ही नहीं था। वहीं दो साल तक युद्ध लड़ते–लड़ते इस्राइली सेना में भी थकान देखी गई थी, साथ ही आतंरिक दबाव युद्ध रोकने के लिये प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी बराबर बना हुआ था। ट्रंप के बड़बोले दावों को पश्चिमी एशिया और शेष दुनिया बेशक गंभीरता से न लेती रही हो, लेकिन अब एक हकीकत सामने है कि उनके हस्तक्षेप ने गाजा में फिलहाल तोपों को शांत किया है। डोनाल्ड ट्रंप का सोमवार को इस्राइल में एक नायक जैसा स्वागत किया गया। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल–हमास युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में, बहुत संभव है कुछ हफ्तों में हो। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। कहना मुश्किल है कि आने वाले वक्त में इस्राइल की निरंकुशता पर किसी हद तक अंकुश लग पाता है, ताकि गाजा के लोग फिर से सामान्य जीवन की कोशिश में किसी हद तक सफल हो सकें। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यदि सब कुछ ठीक–ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सवाल यह भी रहेगा कि लड़ाई खत्म होना एक स्थायी प्रक्रिया बन सकेगी। युद्ध समाप्ति के बाद घनी आबादी वाले इलाके में शासन कैसे चलेगा? क्या समझौते के अनुरूप हमास की भूमिका प्रशासन में खत्म हो जाएगी? क्या वास्तव में हमास हथियार डाल देगा? हालांकि, तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस्राइली संसद में ट्रंप ने दावा किया है कि हमास उनकी निशस्त्रीकरण योजना के प्रावधानों का पालन करेगा। लेकिन इस चरमपंथी समूह ने फलस्तीन को राज्य का दर्जा मिलने से पहले इस संभावना से इनकार किया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय का नेतृत्व करने वाले हैं, जो गाजा के शासन के लिये एक अस्थायी गैर–राजनीतिक समिति के कामकाज की देखरेख करेगा। निस्संदेह, इस भावनात्मक मुद्दे को राजनीतिक रूप से कुशलता पूर्वक संभालने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से इस विवाद के पटाक्षेप के लिये दो–राज्य समाधान के लिये स्पष्ट समय–सीमा का अभाव एक कसक के रूप में महसूस किया जाता रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी पीठ थपथपा सकते हैं, लेकिन देर–सवेर उन्हें अहसास हो सकता है कि उन्होंने इस बेहद जटिल मुद्दे के समाधान की कोशिशों में अपनी क्षमता से अधिक काम ले लिया है। दशकों से इस्राइल और फलस्तीनियों के संघर्ष की जड़ें गहरी हैं। जिसका स्थायी समाधान एक कल्पित प्रश्न जैसा ही है।

दीप पर्व पर उज्ज्वल भावों से भी जगमग हो स्त्रीमन

एजेन्सी

"लोक में फैले आलोक के बीच थोड़ी सी आभा अपने लिए सहेज लेने का का वक्त है। झिलमिल सजावट और दीयों की जगमगाहट के उजाले में अपनी सज–धज के लिए सजग रहने का समय है। इसीलिए प्रकाश पर्व की जगमग वाली त्योहारी शृंखला की शुरुआत पर मन के माहौल को भी समझो।"

दीपावली, घर–आंगन को जगमगाने का ही पर्व नहीं, अपनी जिंदगी में प्रकाश पोसने का भी उत्सव है। लोक में फैले आलोक के बीच थोड़ी सी आभा अपने लिए सहेज लेने का का वक्त है। झिलमिल सजावट और दीयों की जगमगाहट के उजाले में अपनी सज–धज के लिए सजग रहने का समय है। इसीलिए प्रकाश पर्व की जगमग वाली त्योहारी शृंखला की शुरुआत पर मन के माहौल को भी समझो। अपने व्यक्तित्व की आभा को आंकते हुए निखार–संवार की सोचो। भावनाओं की ज्योति से भविष्य की बेहतर संभावनाओं का मार्ग तलाशो। मत भूलो कि उम्र के हर पड़ाव पर मन–जीवन का उजास और उल्लास से भरे रहना जरूरी है। दीप पर्व की चमक–दमक में भीतरी जगमग को कायम रखने की सोचें। दीपपर्व बाहरी ही नहीं, भीतरी प्रसन्नता को खुलकर जीने की चमक साथ लाता है। अपना आंगन हो या आस–पड़ोस, स्वच्छता और परम्परागत संस्कारों की रोशन रिवायतों के बीच मन के कोने–कोने को उज्ज्वल बनाने की ठानें। मन को संयत रखने से जो आंतरिक चमक आती है, वह त्योहारी मौसम के बाद भी आपको खुशी की दीप्ति से लबरेज रखेगी। सोचिए कि सब कुछ संवारते–सजाते हुए आप ही टूटी बिखरी सी हैं तो आंगन की चमक के मायने? उत्सव के उल्लास का क्या अर्थ? दीपावली का त्योहार तो सुख–समृद्धि के हर पहलू से जुड़ा है। निरोगी काया से लेकर धन–दौलत और रिश्तों के रंग बनाये रखने तक, सकारात्मक सोच से अपनी झोली में उजाला भर लेने का उत्सव है। जो हर तरह के अंधकार पर विजय पाने का संदेश लिए है। फिर क्यों ना दीयों की बाती से बिखरती चमक के बीच अनुभूतियां भी प्रकाशित हों? आज के उलझते–बिखरते जीवन में उत्साह की इस रोशनी से अपनी जिंदगी को भी जगमग करने की राह चुनें। हर तरह की साज सज्जा में अपने प्रति स्वस्ति कामना का भाव भी जरूर हो। कभी–कभी दिल शिकायतों के अंधकार से भर जाता है। चाहे–अनचाहे मन डूबने लगता है। परिवेश में फैली त्योहारी रोनक की उजास में अपने जीवन से जुड़ी छोटी–बड़ी बातों को लेकर निराशा का अंधेरा घेरने लगता है। कभी बीते वक्त से जुड़ा अपराधबोध तो कभी भविष्य की चिंता। स्त्री मन उलझनों के स्याह दायरे में आ ही जाता है। कुछ कमी होने के ख्यालों के बीच हमारा मस्तिष्क जो कुछ है, उसे भी नहीं देख पाता। इस मनःस्थिति में घिरी हैं तो अपने आसपास देखने पर पाएंगी कि कहीं किसी जर्जर घर के द्वार पर दीपक की ज्योत मुस्कुरा रही है। हर दिन अनगिनत उलझनों को जीने वाले लोगों की बस्तियां भी झिलमिल उजास की सजावट लिए हैं। अभावों से जूझ रहे लोगों के आंगन में भी रंगोली उकेरी जा रही हैं। सालभर अपनों से दूर रहने वाले लोग गांव–घर लौट रहे हैं। यह अवलोकन आपके मन में नयी ऊर्जा की ज्योति जलायेगा। आप हर परेशानी को भूल जीवन में मिली ब्लेसिंग्स को देख पाएंगी। दीप्ति बिखेरते दीयों की कतारों के बीच अपने मन को बोझिल होने से बचाने लिए आभार का यह भाव आवश्यक है। प्रकाश पर्व मनाने की सबसे सुंदर और सार्थक रीत यही है कि मन में पॉजिटिविटी की छटा बिखर जाए। मां लक्ष्मी की उपासना का पर्व अपने व्यक्तित्व को सजाने–संवारने से भी जुड़ा है। रूप को आलोकित करने के लिए बाकायदा रूप चौदस का दिन एक के बाद एक मनाये जाने वाली इस त्योहारी कतार का हिस्सा है। आप तो खुद गृहलक्ष्मी हैं। सेहत की संभाल हो या निखार–संवार, खुद की अनदेखी कभी ना करें। सुख–समृद्धि को बटोरते जाने के बजाय उसे जीने का भाव लाएं। आमतौर पर स्त्रियां सब कुछ जुटाती जाती है। सहेजकर रखने का भाव अच्छा है पर जीवन की सहजता में कटौती करना उचित नहीं। खुशी, सुकून और सौभाग्य का प्रकाश हर ओर फैलाने वाले दिवाली पर्व पर धन की देवी लक्ष्मी और ज्ञान की देवी सरस्वती का पूजन किया जाता है। साथ बुद्धि के देवता गणेश भी पूजे जाते हैं। जिसका अर्थ यह है कि गृहलक्ष्मी के रूप में हर स्त्री दायित्व निर्वहन की भागदौड़ में ही गुम ना रहे बल्कि विवेकशील सोच भी रखे। आपाधापी भरे जीवन को ज्ञान के साथ संभाले। अपनी प्रतिभा से उलझनों को सुलझाए। दीपावली का त्योहार आध्यात्मिक, धार्मिक, परम्परागत और व्यावहारिक जीवन के हर पहलू को जगमग करने का उत्सव है। आपकी समझदारी और सूझबूझ से ही घर का आंगन जगमगाता है। याद रहे कि इसमें स्वयं आपके अस्तित्व और व्यक्तित्व की सुघड़ता और सुंदरता भी शामिल है। अमावस्या की रात्रि को दीपावली का त्योहार मनाया जाता है।

युद्ध और शांति के खेल में नोबेल

वैश्विक राजनीति में किस तरह नोबेल पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मान की आड़ में नए खेल रचे जा रहे हैं, इसका ताजा उदाहरण 2025 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए घोषित नाम पर सामने आया। वेनेजुएला की राजनेता मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। समिति ने इसका ऐलान करते हुए कहा कि 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार शांति के एक साहसी और ऐसी चौंपियन को दिया जाता है, जो बढ़ते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ को जलाए रखती है। बता दें कि मारिया कोरिना मचाडो को वेनेजुएला की श्आयरन लेडीश भी कहा जाता है, उन्होंने स्वतंत्र चुनावों को बढ़ावा देने वाले नागरिक समाज समूह सुमाते और लोकतांत्रिक परिवर्तन की वकालत करने वाले गठबंधन सोयवेनेजुएला की स्थापना में सहायता की। वे 2010–2015 से नेशनल असेंबली की सदस्य रही हैं। बताया जाता है कि पिछले कुछ सालों में मारिया को छिपकर रहना पड़ा था, क्योंकि उनकी जान को खतरा था, लेकिन वो देश छोड़कर नहीं गईं। नोबेल समिति का कहना है कि वेनेजुएला में रहना उनका फैसला था, जिससे कई लोगों को प्रेरणा मिली। जब तानाशाह सत्ता पर कब्जा कर लेते हैं, तो स्वतंत्रता के लिए लड़ने और सत्ता का विरोध करने वाले लोगों को पहचानना जरूरी होता है।लेकिन यही पूरा सच नहीं है। न ही मचाडो दुनिया में अकेली ऐसी नेता हैं। दुनिया के कई देशों में सत्ता की मनमानी और लोकतंत्र के नाम पर तानाशाही को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति के खिलाफ आवाजें उठाई जा रही हैं, सत्ता के दमन और अत्याचारों का सामना किया जा रहा है। मचाडो अगर लोकतंत्र के लिए संघर्ष करती रही हैं, तो दूसरी तरफ वे युद्ध के तरीकों की हिमायत भी करती रही हैं। खासकर इजरायल की वे समर्थक रही हैं। गजा पर बमबारी को वो इजरायल का सही फैसला मानती हैं। साथ ही मारिया अपने खुद के देश में सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए विदेशी ताकतों की मदद लेने से भी नहीं कतराती हैं। 2018 में उन्होंने इजरायल और अर्जेंटीना को खत लिखकर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पद से हटाने की अपील की थी। 2 साल पहले अपनी एक पोस्ट में मारिया ने लिखा था कि श्वेनेजुएला का संघर्ष भी इजरायल की तरह है।श मारिया ने यहां तक कहा था कि अगर वो सत्ता में आईं तो इजरायल की आजादी में पूरी मदद करेंगी। ऐसे में सहज ही सवाल उठता है कि जिस इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर युद्ध के आरोप हों, जिनकी बर्बरता पिछले दो सालों में दुनिया ने देखी है, उसका समर्थन करने वाला कोई भी शख्स आखिर किस तरह नोबेल शांति पुरस्कार का हकदार हो सकता है। लोकतंत्र की बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी करते हैं, बल्कि वे तो दुनिया में सात ऐसे युद्धों को बंद करवाने का दावा करते हैं, जिनके खत्म होने की संभावनाएं नहीं थीं और वे जारी रहते तो भीषण तबाही होती। भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रोकने का दावा भी कम से कम 40 बार ट्रंप कर चुके हैं, जिसे पाकिस्तान ने तो माना है, भारत ने इससे इंकार किया है। हालांकि फिर भी ट्रंप को झूठा कहने की हिम्मत नरेन्द्र मोदी ने अब नहीं दिखाई है। बहरहाल, इन युद्धों को रुकवाने की वजह से ट्रंप खुद को शांति पुरस्कार का सबसे बड़ा दावेदार मान चुके थे। कई बार इसका सार्वजनिक इजहार उन्होंने किया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बाकायदा कहा कि वे ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश करते हैं। फिर गजा शांति समझौते के बाद जिस तरह अमेरिका समर्थक तमाम देशों ने ट्रंप की वाहवाही के ट्वीट किए, उससे जाहिर हुआ कि नोबेल शांति पुरस्कार के लिए जमकर गुटबंदी हो रही है। हालांकि मचाडो को पुरस्कार मिलने की घोषणा के बाद ट्रंप की सारी उम्मीदों पर पानी फिर गया। लेकिन मचाडो ने इस पुरस्कार को ट्रंप को समर्पित करने के साथ ही संकेत दे दिए कि अभी वैश्विक राजनीति में युद्ध और शांति के खेल की लंबी पारी उन्हें खेलनी है। इस बीच गजा शांति समझौते के बाद सोमवार को जब इजरायल और हमास के बीच कैदियों का आदान–प्रदान होना था, तब डोनाल्ड ट्रंप इजरायल पहुंच चुके थे। यहां उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया गया। इस दौरान ट्रंप ने इजरायल और हमास के समझौते को अपनी आठवीं हल की गई संघर्ष उपलब्धि बताया और यह भी कहा कि मैंने ये सब नोबेल के लिए नहीं किया। यहां ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान का जिक्र भी किया कि अगर ये दोनों देश फिर युद्ध की ओर बढ़े, तो मैं टैरिफ लगाऊंगा। यह वही पुरानी धमकी है, जो मई में भी ट्रंप ने दी थी। तो मचाडो हों या ट्रंप, इनका इतिहास और वर्तमान यही सुझा रहा है कि दोनों ही शांति पुरस्कार के सही हकदार नहीं थे। ट्रंप को तो खैर नोबेल पुरस्कार मिला ही नहीं, लेकिम मचाडो को देने से क्या पुरस्कार की गरिमा कम हुई है, यह सवाल वैश्विक पटल पर उभरा है। अमेरिका स्थित मुस्लिम अधिकारों के लिए बने संगठन काउंसिल ऑन अमेरिकन–इस्लामिक रिलेशन ने नोबल समिति को अपने फैसले पर फिर से विचार करने का सुझाव दिया है। संगठन का कहना है, नोबल समिति को एक बार फिर से सोचना चाहिए। मारिया को यह पुरस्कार देने से नोबल की छवि को गहरा झटका लग सकता है। वैसे मारिया कोरिनो मचाडो को पुरस्कार मिलने के साथ ही अमेरिका और रूस फिर आमने–सामने दिख रहे हैं। दरअसल मारिया को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन है, वहीं, वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को पुतिन का साथ मिला हुआ है। रूस और वेनेजुएला ने 10 साल के एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसमें रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग शामिल है। अमेरिका के साथ राजनयिक संबंध टूटने के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने रूस से हाथ मिलाया है। इधर अगस्त में ट्रंप ने मादुरो की गिरफ्तारी में सहायता करने वाले को 5 करोड़ डॉलर के ईनाम की घोषणा भी की थी, जो ओसामा बिन लादेन पर रखे ईनाम से भी ज्यादा है। अमेरिका अगर वेनेजुएला में अपनी पसंद की सरकार बनवाता है, तो उसमें सबसे ऊपर नाम मारिया का ही आएगा। वहीं मादुरो को रूस और ईरान का साथ मिल सकता है। जिसके बाद एक नयी जंग छिड़ने की आशंका गहराएगी।

मेष :– क्रोध के कारण पारिवारिक सदस्यों के साथ सम्बंध बिगड़ेंगे। आपकी वाणी और व्यवहार झगड़े का कारण बन सकते हैं। दुर्घटना से बचें। बीमारी के पीछे धन खर्च होगा।

वृषभ :– आप जीवनसाथी की निकटता का सुख प्राप्त कर सकेंगे। परिवार के साथ सामाजिक समारोह में बाहर घूमने या पर्यटन पर जाएंगे और आनंद में समय व्यतीत होगा।

मिथुन :– अधूरे कार्यों की पूर्णता के लिए आज का दिन शुभ है। परिवार में आनंद और उल्लास रहेगा। स्वास्थ्य बना रहेगा। कार्यों में यश और कीर्ति मिलेगी। नौकरीपेशा वालों को लाभ होगा।

कर्क :– अच्छे मन से दिन व्यतीत करने की गणेशजी सलाह देते हैं, क्योंकि आज का दिन शारीरिक और मानसिक रूप से उद्वेगपूर्ण रहेगा। पेट दर्द परेशान करेगा। धन खर्च की संभावना है।

सिंह :– आज मानसिक अस्वस्थता रहेगी। परिजनों के साथ मनमुटाव की स्थिति आएगी। माताजी की तबीयत खराब हो सकती है। नकारात्मक विचारों से हताशा उत्पन्न होगी।

कन्यारू बिना विचारे साहस करने के प्रति गणेशजी चेतावनी देते हैं। भावनात्मक सम्बंध स्थापित होंगे। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मुलाकात होगी। विरोधियों का डटकर सामना करेंगे।

तुला :– आज की मानसिक वृत्ति नकारात्मक रहेगी। क्रोध आवेश में वाणी पर संयम खोने से पारिवारिक सदस्यों के साथ विवाद होगा। अनावश्यक खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य खराब होगा।

वृश्चिक :– आज का दिन शुभ होगा। शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ खुशी से समय बीतेगा। धन लाभ का योग है।

धनु :– आज आप सांसारिक बातें भूलकर आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में संलग्न रहेंगे। गहरी चिंतनशक्ति आपके मानसिक भार को हल्का करेगी। बोलने पर संयम रखने से अनर्थ से बच जाएंगे।

मकर :– आज का दिन हर क्षेत्र में लाभदायक है। स्नेहीजनों और मित्रों से मिलना होगा। प्रिय व्यक्तियों के साथ मुलाकात रोमांचक रहेगी। व्यापार–धंधे में आय वृद्धि होगी।

कुंभ :– हर कार्य सरलतापूर्वक हल होंगे और उनमें सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में अनुकूल परिस्थिति बनेगी। सरकारी कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। धन प्राप्ति का योग है।

मीन :– आज के दिन की शुरुआत भय के साथ होगी। शरीर में सुस्ती और थकान रहेगी। कोई भी कार्य पूरा न होने पर हताशा होगी। भाग्य साथ न देता हुआ प्रतीत होगा। व्यर्थ में पैसे खर्च होंगे।

नव–बौद्धों ने हिन्दू दलितों की अपेक्षा अधिक प्रगति की

एस आर दारापुरी

"1936 में डा. अंबेडकर ने इस्लाम, ईसाई तथा सिख तीन धर्मों, जिनके स्पष्ट अलग अलग लाभ थे, में से एक धर्म को चुनने का विकल्प रखा। इन तीन धर्मों में इस्लाम तथा ईसाई धर्म अपनाने के बारे में उनका मत था।"

डा. बाबासाहेब भीम राव अंबेडकर ने सबसे पहले 1927 में महाड़ तालाब सत्याग्रह के दौरान धर्म परिवर्तन का संकेत दिया था जब उन्होंने कहा था, "हम समाज में समान अधिकार चाहते हैं। हम जहां तक संभव होगा हिन्दू समाज में रहते हुए प्राप्त करेंगे या यदि जरूरी हुआ तो इस बेकार हिन्दू पहचान को लात मार कर करेंगे।" शुरू में डा. अंबेडकर ने हिन्दू समाज में सुधार लाने की पूरी कोशिश की। वे हिन्दू धर्म में रहते हुए ही छुआछूत दूर करना चाहते थे। उनका महाड़ सत्याग्रह एवं नासिक कालाराम मंदिर सत्याग्रह (1930) उनके हिन्दू धर्म को सुधारने के लगातार प्रयासों के स्पष्ट उदाहरण हैं। अंत में, बाबासाहेब ने दुख के साथ महसूस किया कि सवर्ण हिंदुओं के व्यवहार को बदलना असंभव है। अतः उन्होंने हिन्दू धर्म को त्यागने का फैसला किया। घुमाव का बिन्दु अक्तूबर 1935 में आया जब डा. अंबेडकर ने झटका देने वाली घोषणा कीरू "मैं हिन्दू अछूत पैदा हुआ यह मेरे बस की बात नहीं थी परंतु मैं हिन्दू के रूप में मरूँगा नहीं।" 1936 में डा. अंबेडकर ने इस्लाम, ईसाई तथा सिख तीन धर्मों, जिनके स्पष्ट अलग अलग लाभ थे, में से एक धर्म को चुनने का विकल्प रखा। इन तीन धर्मों में इस्लाम तथा ईसाई धर्म अपनाने के बारे में उनका मत था कि इससे डिप्रेस्ड क्लासेस का विराष्ट्रीयकरण हो जाएगा और इससे स्वतंत्रता संघर्ष असंगठित हो जाएगा जबकि सिक्ख धर्म अपनाने से देश को कोई खतरा नहीं होगा। वास्तव में मई 1936 में डा. अंबेडकर ने अपने बड़े बेटे यशवंत और 13 अन्य लोगों को सिक्ख धर्म का अध्ययन करने के लिए सवर्ण मंदिर अमृतसर भेजा। परंतु जब उन्हें रिपोर्ट मिली कि जट सिक्ख भी दलित सिक्खों पर हिंदुओं की तरह ही अत्याचार एवं छुआछूत करते हैं तो उन्होंने सिक्ख धर्म अपनाने का विचार छोड़ दिया। डॉ. बाबासाहेब भीम राव आंबेडकर ने 31 मई, 1936 को दादर (बम्बई) में "धर्म परिवर्तन क्यों?" विषय पर बोलते हुए अपने विस्तृत भाषण में कहा था," मैं स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूँ कि मनुष्य धर्म के लिए नहीं बल्कि धर्म मनुष्य के लिए है। अगर मनुष्यता की प्राप्ति करनी है तो धर्म परिवर्तन करो। समानता और सम्मान चाहिए तो धर्म परिवर्तन करो। स्वतंत्रता से जीविका उपार्जन करना चाहते हो धर्म परिवर्तन करो। अपने परिवार और कौम को सुखी बनाना चाहते हो तो धर्म परिवर्तन करो।"28 अगस्त, 1937 को बाबासाहेब ने अछूतों के समूह को संबोधित करते हुए अपने शिष्यों को हिन्दू धर्म के त्योहार मनाने को त्यागने हेतु कहा। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन तो होकर रहेगा ही परंतु इस मामले में काफी सोचने समझने की जरूरत है। "नया धर्म काफी जांच पड़ताल के बाद ही अपनाया जाएगा।" अंत में बाबासाहेब ने 14 अक्तूबर, 1956 को दीक्षा भूमि नागपुर में पाँच लाख अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया और कहा कि, "आज मेरा नया जन्म हुआ है." जब बाबासाहेब ने आछूतों के धर्म परिवर्तन की बात चलाई थी तो इसका विरोध न केवल सवर्णों बल्कि अछूत नेताओं ने भी किया था। सवर्ण नेताओं का कहना था कि डा. अंबेडकर अछूतों को गुमराह कर रहे हैं। इससे उन्हें कोई फायदा होने वाला नहीं है। इसके विपरीत कुछ का यह भी तर्क था कि डा. अंबेडकर मरे पशुओं को न उठाने की बात कह कर उनको चमड़े तथा हड्डियों से होने वाले चार सौ रुपए के लाभ से वंचित कर रहे हैं। इस पर डा. अंबेडकर ने कहा कि मैं मरे पशु के लिए पाँच सौ रुपए देता हूँ। सवर्ण आगे आएं और मरे पशु को उठाकर लाभ कमाएं और मुझ से पाँच सौ रुपए भी ले लें। परंतु कोई सवर्ण सामने नहीं आया। कुछ अछूत नेता धर्म परिवर्तन का यह कह कर विरोध कर रहे थे कि हमें अपने पुरखों का धर्म नहीं छोड़ना चाहिए और हिन्दू रह कर अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि इससे अछूतों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में कोई अंतर आने वाला नहीं है। आइए अब देखा जाये कि बाबा साहेब ने धर्म परिवर्तन के जिन उद्देश्यों और संभावनाओं का जिक्र किया था, उन की पूर्ति किस हद तक हुई है। सब से पहले यह देखना उचित होगा कि बौद्ध धर्म परिवर्तन की गति कैसी है। सन 2011 की जन गणना के अनुसार भारत में बौद्धों की जनसंख्या लगभग 84 लाख है जो कुल जनसंख्या का लगभग 0.7 प्रतिशत है। इस में 13ः परम्परागत बौद्ध और 87 : हिन्दू दलितों में से धर्म परिवर्तन करके बने नव–बौद्ध हैं। इस में सब से अधिक बौद्ध महाराष्ट्र में 65 लाख हैं। सन 2001 से सन 2011 की अवधि में बौद्धों की जनसंख्या में 6.1ः की वृद्धि हुई है परंतु कुल जनसंख्या 0.8ः से घट कर 0.7ः हो गई है जो गंभीर चिंता का विषय है। अब अगर नव–बौद्धों में आये गुणात्मक परिवर्तन की तुलना हिंदू दलितों से की जाये तो यह सिद्ध होता है कि नव–बौद्ध हिन्दू दलितों से सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ गए हैं।

हर चुनौती का सामना साहस के साथ करो पत्रलेखा

इस दिन माता सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है, जो ज्ञान, शक्ति और पूर्णता की प्रतीक मानी जाती हैं। इस अवसर पर हमने पत्रलेखा से बात की। ‘करियर की शुरुआत में मुझे बहुत बार अस्वीकृति का सामना करना पड़ा। एक अभिनेता के रूप में आप हर ऑडिशन में अपना सब कुछ दे देते हैं। और जब चीजें नहीं होतीं, तो यह बहुत दुखद और व्यक्तिगत लगने लगता था। उस समय मैं खुद से कई सवाल पूछती थी... क्या मैं सही कर रही हूं? क्या मैं योग्य हूं? लेकिन मैं हमेशा याद रखती थी कि मैंने यह पेशा क्यों चुना... क्योंकि मुझे सच में कहानियां सुनाने से प्यार है। यही प्यार मेरा आध ाार बन गया। धीरे–धीरे अवसर आने लगे। आज पीछे मुड़कर देखती हूं, तो लगता है कि उस दौर ने मुझे धैर्यवान और मजबूत बनाया।’ अपनी आवाज पर भरोसा करना जरूरी है ‘फिल्म ‘सिटीलाइट्स’ के बाद मैं थोड़े समय के लिए अनिश्चित दौर में थी। इंडस्ट्री कभी–कभी आपको एक ही छवि में बांध देती है। मुझे इसे तोड़ने के लिए मेहनत करनी पड़ी। वह समय मेरे लिए एक टर्निंग पॉइंट था। इसने मुझे सिखाया कि दूसरों की राय से ज्यादा, अपनी खुद की आवाज पर भरोसा करना जरूरी है। इससे मुझे सही भूमिकाओं का इंतजार करने और उन किरदारों को न कहने का साहस मिला, जो मेरे लिए सही नहीं थे। मैंने सीखा कि अपनी असली पहचान को पहचानना और उसकी रक्षा करना ही असली ताकत है।’ छोटे–छोटे पल मुझे अपने अंदर से जोड़ते हैं ‘मैं अपनी दिनचर्या को सरल रखती हूं। पढ़ाई, ध्यान या बस अपने साथ कुछ पल बिताना। ये छोटे–छोटे पल मुझे अपने अंदर से जोड़ते हैं। जब मैं खुद के साथ शांत बैठती हूं, तो अपने विचारों और भावनाओं को महसूस कर पाती हूं। तब मुझे अपनी असली पहचान और अपनी ताकत का अहसास होता है और बाकी सब शोर पीछे हट जाता है। इसके अलावा, मैं अपने पति, परिवार और करीबी दोस्तों की मदद लेती हूं।’ धैर्य और मेहनत का फल हमेशा मिलता है ‘हालिया रिलीज फिल्म ‘फुले’ के बाद मुझे बहुत अच्छी और रोचक फिल्में मिल रही हैं। मैं जल्दी ही काम शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। यह मुझे याद दिलाता है कि धैर्य और मेहनत का फल हमेशा मिलता है, भले ही वह तुरंत दिखाई न दे।’ कभी अपने अंदर की ताकत को कम मत आंकिए ‘मैं हर महिला से कहना चाहती हूं कि कभी अपने अंदर की ताकत को कम मत आंकिए। जब भी आप असहाय महसूस करें, याद रखें कि सहनशीलता और धैर्य आपके अंदर ही हैं। नवरात्रि पर मां दुर्गा के साथ ही अपने अंदर की शक्ति और स्थिरता का भी जश्न मनाना चाहिए। अपनी ताकत को पहचानो और हर चुनौती का सामना साहस के साथ करो। अपने अंदर की शक्ति को पहचानो, आत्म–जागरुक बनो और जीवन में हर चुनौती का सामना साहस के साथ करो।’ छोटे–छोटे पल देते हैं आत्मबल पत्रलेखा बताती हैं कि वे अपनी दिनचर्या को सरल रखती हैं। पढ़ना, ध्यान करना और खुद के साथ समय बिताना उन्हें अंदर से मजबूत बनाता है। वे कहती हैं, जब मैं खुद के साथ शांत बैठती हूं तो अपने विचारों और भावनाओं को समझ पाती हूं। उस समय मुझे अपनी असली ताकत का अहसास होता है और बाहरी शोर महत्वहीन हो जाता है। इसके अलावा, मेरे पति, परिवार और करीबी दोस्त हमेशा मेरा सहारा बने रहते हैं। हाल ही में पत्रलेखा की फिल्म ‘फुले’ रिलीज हुई, जिसके बाद उन्हें कई नए और रोचक प्रोजेक्ट्स ऑफर हुए हैं। वे मानती हैं कि यह उनकी मेहनत और धैर्य का परिणाम है। यह अनुभव मुझे याद दिलाता है कि धैर्य और मेहनत का फल हमेशा मिलता है। भले ही वह तुरंत न दिखे, लेकिन समय आने पर उसका परिणाम अवश्य मिलता है। महिलाओं के लिए खास संदेश नवरात्रि के अवसर पर पत्रलेखा ने सभी महिलाओं से अपील की कि वे अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानें। उनका कहना है, कभी भी अपने अंदर की ताकत को कम मत आंकिए। जब भी आप असहाय महसूस करें, याद रखें कि सहनशीलता और धैर्य आपके भीतर ही हैं। नवरात्रि पर मां दुर्गा की पूजा करने के साथ–साथ हमें अपने अंदर की शक्ति और स्थिरता का भी जश्न मनाना चाहिए। हर चुनौती का सामना साहस के साथ करें और आत्म–जागरूक बनें।

कौन हैं अंशुल गर्ग– ‘एक दीवाने की दीवानियत’ के लगातार म्यूजिकल हिट्स के पीछे का नाम

अगर कोई फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही एक म्यूजिकल सनसनी बन चुकी है, तो वह है ‘एक दीवाने की दीवानियत’। मिलाप मिलन जवेरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म ने अब तक चार लगातार हिट गाने दिए हैं, जो किसी भी फिल्म के रिलीज से पहले बहुत कम देखने को मिलता है। और इस शानदार सफलता के केंद्र में हैं अंशुल गर्ग, जो इस फिल्म के साथ बतौर फिल्म प्रोड्यूसर अपना डेब्यू कर रहे हैं। उन्होंने अपनी नई कंपनी देसी मूवीज फैक्टरी के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण किया है। बहुत से लोगों के लिए अंशुल गर्ग किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। देसी म्यूजिक फैक्ट्री और प्ले डीएमएफ के संस्थापक के रूप में वे पहले ही भारत के स्वतंत्र संगीत जगत को नई दिशा दे चुके हैं। उन्होंने देश को पिछले कुछ वर्षों में कई सुपरहिट पॉप गाने दिए हैं। मेलोडी को पहचानने की उनकी गहरी समझ और टैलेंट खोजने की उनकी क्षमता ने उन्हें म्यूजिक इंडस्ट्री का एक अहम नाम बना दिया है। अब उन्होंने म्यूजिक की दुनिया से सिनेमा की ओर कदम बढ़ाया है कृ और उनका पहला फिल्मी प्रोडक्शन पहले से ही एक म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर साबित हो रहा है।फिल्म के साउंडट्रैक की शुरुआत इसके टाइटल ट्रैक "दीवानियत" से हुई, जिसे विशाल मिश्रा ने गाया है। अपनी खूबसूरत धुन और दिल को छू लेने वाले बोलों की वजह से यह गाना तुरंत लोगों के दिलों में बस गया। इस गाने ने फिल्म के मूड को सेट कर दिया एक ऐसी कहानी का वादा करते हुए जिसमें प्यार, जुनून और दीवानगी सब कुछ है, और जिसे संगीत ने और भी गहराई दी है। दूसरा गाना "बोल कफ्फारा क्या होगा", नेहा कक्कड़ और फरहान साबरी की आवाज में, टूटे दिल की भावनाओं को सामने लाता है। रेमो डिसूजा द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह गीत अपने भव्य विजुअल्स और सोनम बाजवा व हर्षवर्धन राणे के गहरे अभिनय की वजह से खूब सराहा गया। तीसरा गाना "मेरा हुआ" एक बिल्कुल अलग एहसास लेकर आया यह गाना प्यार और तड़प का कोमल, आत्मीय और सुकून देने वाला रूप दिखाता है। इसे अंकुर आर. पाठक ने गाया और कंपोज किया है, जबकि इसके बोल सचिन उर्मतोश ने लिखे हैं। इस गीत ने फिल्म के संगीत को और भी विविध और समृद्ध बना दिया है। अब दर्शकों का उत्साह चौथे गाने "दिल दिल दिल" के लिए चरम पर है, जो कल रिलीज होने जा रहा है। इसे सुनिधि ा चौहान और संदीप जहान ने गाया है, इसके बोल सिद्धांत कौशल ने लिखे हैं और संगीत अनु मलिक ने तैयार किया है। यह गाना जोश, रोमांस और सिनेमा की ऊर्जा का बेहतरीन संगम होने वाला है कृ और यह इस एल्बम को और भी ऊँचाई पर ले जाने की पूरी क्षमता रखता है। अंशुल गर्ग द्वारा प्रोड्यूस और राघव शर्मा द्वारा को–प्रोड्यूस की गई इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत इन दिनों पूरे इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे इस बात के लिए भी सराहा जा रहा है कि इसने उस पुराने बॉलीवुड दौर को फिर से जीवित कर दिया है, जब फिल्मों की कहानी और भावनाएँ संगीत के सहारे आगे बढ़ती थीं। अंशुल गर्ग के लिए फिल्मों की ओर यह कदम कोई योजनाबद्ध बिजनेस मूव नहीं था, बल्कि उनके रचनात्मक सफर की स्वाभाविक अगली कड़ी थी। उन्होंने पहले ही भारत के सबसे सफल स्वतंत्र संगीत ब्रांडों में से एक बनाया है, और अब सिनेमा को उन्होंने अपनी कहानी कहने के अगले मंच के रूप में चुना है। ‘एक दीवाने की दीवानियत’ के जरिए उन्होंने न सिर्फ फिल्मों की दुनिया में कदम रखा है, बल्कि यह भी साबित किया है कि संगीत आधारित कहानियाँ आज भी दर्शकों के दिलों पर राज कर सकती हैं। इस दिवाली, 21 अक्टूबर 2025 को रिलीज होने जा रही ‘एक दीवाने की दीवानियत’ को इस साल की सबसे चर्चित रोमांटिक फिल्मों में से एक माना जा रहा है कृ और अंशुल गर्ग का यह सपना डेब्यू अब एक शानदार और यादगार म्यूजिकल फिनोमेनन बन चुका है।

सनाया ईरानी ने अपने करियर की शुरुआत यश राज की फिल्म श्फनाश से 2006 में की थी सनाया ईरानी ने 2007 में सब टीवी के शो श्लेफ्ट राइट लेफ्टश से टीवी डेब्यू किया. इस शो में उन्होंने कैडेट समीरा श्रॉफ की भूमिका निभाई थी. एक्ट्रेस को इसके बाद कसम से, मिले जब हम तुम और राधा की बेटियां कुछ कर दिखाएंगी जैसे शोज में देखा गया. सनाया ने 2011 में श्इस प्यार को क्या नाम दूंश में खुशी कुमारी गुप्ता सिंह रायजादा की भूमिका निभाई. ये शो उनके करियर में मिल का पत्थर साबित हुआ. लोग उनके किरदार को आज भी याद करते हैं. सनाया ने 2015 में डांस रिएलिटी शो श्झलक दिखला जा 8श में भी पार्टिसिपेट किया. इस सीजन की पहली रनर अप सनाया और उनके कोरियोग्राफर जय थे. सनाया ने 2017 में पति मोहित सहगल के संग डांस रिएलिटी शो श्नच बलिए सीजन 8श में हिस्सा लिया.शो में इस जोड़ी को लोगों ने काफी पसंद किया. मोहित और सनाया इस सीजन के सेकंड रनर अप बने थे. 2019 में सनाया को विक्रम भट्ट की डायरेक्शन में बनी हॉरर फिल्म श्घोस्टश में लीड रोल में देखा गया था. इस फिल्म में सनाया ने सिमरन सिंह की भूमिका निभाई थी.2020 में सनाया रोमांटिक–कॉमेडी शॉर्ट फिल्म श्वेद एंड आर्याश में आर्या की भूमिका निभाई थी. सनाया 2007 से 2019 तक एक्टिंग की दुनिया में काफी एक्टिव रहीं. अब एक्ट्रेस का जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन देखने को मिलता है. सनाया पिछले काफी वक्त से किसी प्रोजेक्ट में नजर नहीं आई हैं. हालांकि, वो सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं. सनाया ईरानी के इंस्टाग्राम पर 3.2 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

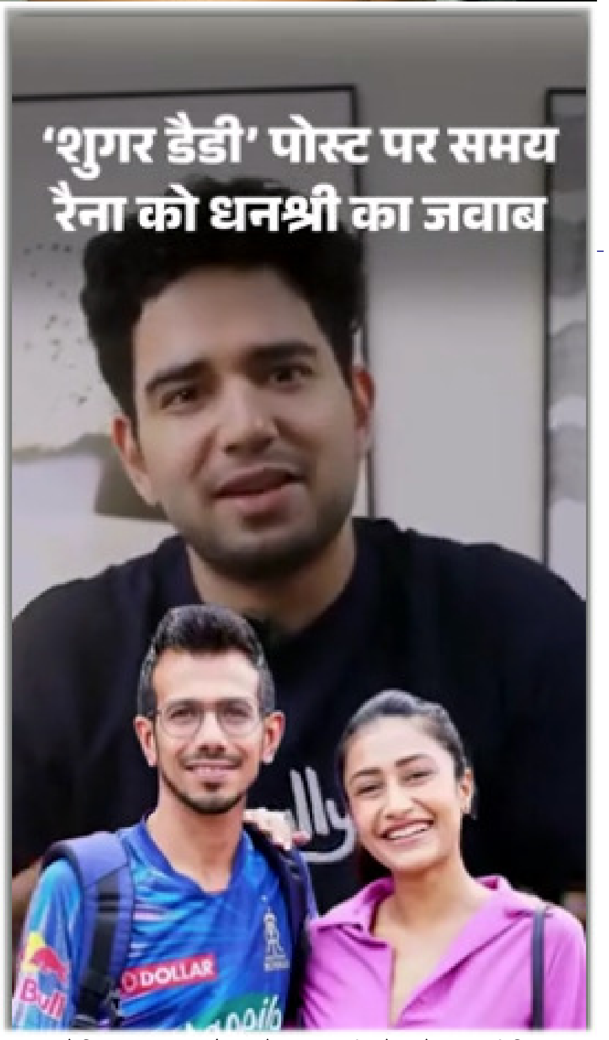

कॉमेडियन समय रैना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ एक वीडियो कॉल का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, लव यू माई शुगर डैडी। इस पोस्ट में उन्होंने चहल को टैग भी किया था। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और यूजर्स का मानना है कि समय रैना ने इस पोस्ट के जरिए चहल की एक्स–वाइफ और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा पर तंज कसा है। हालांकि, इसके कुछ ही समय बाद धनश्री वर्मा ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक डॉगी की फोटो शेयर की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, डोंट वरी गाइज मेरी मम्मा का अच्छा श्समयश ही चल रहा है। इसके

मुलायम रोटी बनाने के टिप्स

कब्ज आजकल बहुत आम समस्या है, और इसका मुख्य कारण है–गलत खानपान, पानी की कमी और तनाव। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो यह गैस, सिरदर्द, पेट दर्द और बवासीर जैसी बीमारियों का कारण बन सकती है। अगर आप भी लंबे समय से इस समस्या से परेशान हैं तो दवाइयां नहीं रोटी के सहारे आप आराम पा सकते हैं। जी, हां कब्ज दूर करने के लिए अजवाइन और ओट्स को आटे के साथ मिलाने से आपकी सारी समस्या हल हो जाएगी।

इस तरह तैयार करें फाइबर युक्त आटा

अजवाइन और ओट्स (जई) दोनों ही कब्ज दूर करने में बहुत असरदार माने जाते हैं। जब इन्हें गेहूं के आटे में मिलाकर रोटी बनाई जाती है तो यह रोजमर्रा के खाने में आसानी से शामिल हो जाते हैं और लंबे समय तक पेट की समस्याओं से राहत मिलती है। इसके लिए 1 किलो गेहूं के आटे में 2 बड़े चम्मच अजवाइन पाउडर 1 कप पिसे हुए ओट्स मिलाएं। इस आटे से रोज की रोटियां बनाएं।चाहें तो इसमें थोड़ा अलसी का पाउडर भी मिला सकते हैं, यह कब्ज और पेट की समस्याओं में और ज्यादा फायदेमंद होगा।

अजवाइन के फायदे

पाचन शक्ति बढ़ाती है और पेट की गैस, एसिडिटी व अपच से राहत देती है। आंतों की गति को सही रखती है, जिससे मल आसानी से साफ होता है। अजवाइन में थाइमोल नामक तत्व होता है, जो पेट में बनने वाली गैस को रोकता है और पेट दर्द में आराम देता है।

ओट्स के फायदे

ओट्स में घुलनशील और अघुलनशील फाइबर भरपूर होता है। यह मल को नरम बनाकर कब्ज दूर करने में मदद करता है। आंतों की सफाई करता है और पेट हल्का रखता है। इससे एसिडिटी, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर जैसी समस्याओं से भी आराम मिलता है।

आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों को अक्सर शरीर के लिए सुरक्षित और प्राकृतिक माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि हर जड़ी–बूटी सभी के लिए फायदेमंद नहीं होती। हाल ही में एक हिपैटोलॉजिस्ट (लीवर विशेषज्ञ) ने बताया कि कुछ जड़ी–बूटियां लीवर के लिए बेहद खतरनाक हो सकती हैं। खासकर 'गिलोय' जिसे आमतौर पर गुडुची या अमृता कहा जाता है, लंबे समय तक और ज्यादा मात्रा में लेने पर लीवर को नुकसान पहुंचा सकती है।

क्यों खतरनाक है गिलोय?

गिलोय में अल्कलॉइड्स और बायोएक्टिव कंपाउंड्स होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को बहुत ज्यादा एक्टिव कर देते हैं। ज्यादा मात्रा में सेवन करने पर यह शरीर में ऑटोइम्यून रिएक्शन पैदा कर सकती है, जिससे लीवर पर सूजन हो जाती है। कई केस रिपोर्ट्स में पाया गया है कि गिलोय के लंबे सेवन से लिवर फेलियर तक की स्थिति आ सकती है।

ध्यान रखने योग्य बातें

गिलोय या किसी भी हर्बल दवा का इस्तेमाल डॉक्टर या आयुर्वेद विशेषज्ञ की सलाह के बिना न करें। "नेचुरल" होने का मतलब यह नहीं कि वह हर किसी के लिए सुरक्षित है। जिन लोगों को पहले से लीवर की समस्या है, उन्हें गिलोय से दूर रहना चाहिए। विशेषज्ञ कहते हैं कि– "अगर आप हेल्दी लीवर चाहते हैं, तो किसी भी हर्बल दवा को लंबी अवधि तक बिना मेडिकल गाइडेंस के न लें। गिलोय का सही डोज और सही समय ही इसे फायदेमंद बनाता है, वरना यह नुकसान भी कर सकती है।

आंखें केवल देखने का साधन नहीं हैं, बल्कि शरीर का दर्पण भी हैं। इनसे हमारी खुशी, गम और गुस्सा झलकता है। यही नहीं, आंखें कई बीमारियों के शुरुआती संकेत भी देती हैं। उन्हीं में से एक है हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), जिसे 'साइलेंट किलर' कहा जाता है। शुरुआत में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते और यह शरीर को धीरे–धीरे नुकसान पहुंचाता है। लेकिन अच्छी बात यह है कि इसकी शुरुआती चेतावनी हमारी आंखें दे सकती हैं।

आंखों में दिखती हैं शरीर की रक्त नलिकाएं

आधुनिक विज्ञान और आयुर्वेद दोनों ही कहते हैं कि आंखें शरीर का आईना होती हैं। इनकी बनावट ऐसी है कि इनमें मौजूद नाजुक रक्त नलिकाएं सीधे दिखाई देती हैं। जब शरीर में ब्लड प्रेशर बढ़ता है, तो सबसे पहले असर इन्हीं पतली नलिकाओं पर पड़ता है। यह बदलाव बहुत सूक्ष्म होता है और अक्सर महसूस नहीं होता। इसलिए, शुरुआत में हाई ब्लड प्रेशर का पता केवल आंखों की जांच के जरिए लगाया जा सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर से रेटिना को नुकसान

लंबे समय तक हाई ब्लड प्रेशर बने रहने पर आंखों की रेटिना को गंभीर नुकसान हो सकता है। इस स्थिति को हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी कहा जाता है। शुरुआत में आंखों की नाजुक रक्त नलिकाएं मोटी और सख्त हो जाती हैं, जिससे उनमें लचीलापन कम हो जाता है। समय के साथ दृष्टि धुंधली होने लगती है और अगर समय पर इलाज न मिले, तो अचानक दृष्टि पूरी तरह से समाप्त भी हो सकती है।

रेटिना की धमनी ब्लॉक होना

कई बार ब्लड प्रेशर इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि आंखों के अंदर खून और तरल पदार्थ का रिसाव शुरू हो जाता है, जिससे आंखों में सूजन आ जाती है। यह स्थिति और गंभीर तब हो जाती है जब रेटिना की मुख्य धमनी या नस पूरी तरह से ब्लॉक हो जाती है। ऐसे में मरीज को अचानक दिखना बंद हो सकता है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी होती है और इसमें तुरंत डॉक्टर से जांच और इलाज कराना बेहद जरूरी है।

आयुर्वेद के अनुसार

आंखें वात, पित्त और कफ तीनों दोषों के संतुलन को दर्शाती हैं।

हाई बीपी को वात दोष का असंतुलन माना जाता है।

आंखों में जलन, भारीपन और धुंधलापन इसके शुरुआती संकेत हैं।

इसलिए जिन्हें ब्लड प्रेशर की समस्या है उन्हें साल में कम से कम एक बार रेटिना की जांच जरूर करवानी चाहिए। आंखें केवल भावनाओं का दर्पण नहीं हैं, बल्कि कई गंभीर बीमारियों का पहला संकेत भी देती हैं। हाई ब्लड प्रेशर को समय रहते पकड़ने और गंभीर नुकसान से बचने के लिए नियमित आंखों की जांच बेहद जरूरी है।

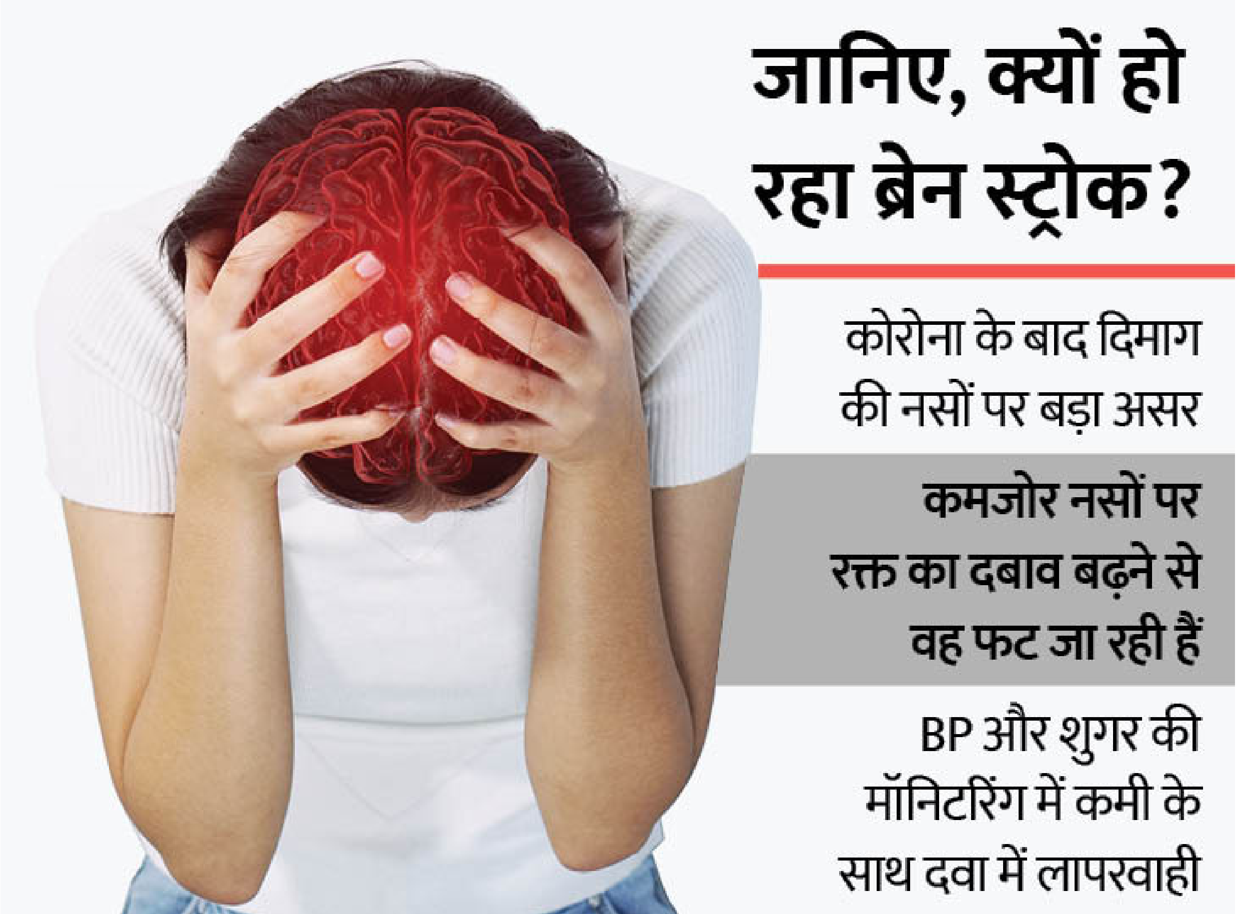

ब्रेन स्ट्रोक (मस्तिष्क का आघात) एक जानलेवा स्थिति है। जब मस्तिष्क की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो दिमाग को ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे ब्रेन स्ट्रोक होता है। अगर समय पर इलाज न मिले, तो गंभीर परिणाम हो सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बड़े ब्रेन अटैक से पहले हल्का ब्रेन स्ट्रोक या मिनी स्ट्रोक भी हो सकता है? इसे ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते हैं।

मिनी ब्रेन स्ट्रोक क्या है?

मिनी ब्रेन स्ट्रोक दिमाग की किसी नस के ब्लॉक होने से होता है। इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाता है, लेकिन यह नुकसान स्थायी नहीं होता। सामान्यतः 24 घंटे के अंदर यह अपने आप ठीक हो जाता है। हालांकि लक्षण हल्के होते हैं, लेकिन इन्हें हल्के में लेना सिर्फ खतरनाक हो सकता है। इसलिए समय रहते डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी है।

मिनी ब्रेन स्ट्रोक के लक्षण

शरीर के एक तरफ चेहरा, हाथ या पैर में सुन्नता या कमजोरी

बोलने में कठिनाई होना और अचानक भ्रम या याददाश्त में गड़बड़ी आना।

आंखों में अचानक समस्या या धुंधलापन और चक्कर आना या घूमना।

संतुलन खोना या अचानक चलने में मुश्किल

पेट में खाना जमने लगता है या फैट सही तरीके से पच नहीं रहा

इन लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

स्ट्रोक से बचाव के लिए आहार

ब्रेन स्ट्रोक के जोखिम को कम करने के लिए कम फैट, कम नमक और अधिक फाइबर वाला आहार अपनाएं। कुछ फायदेमंद खाद्य पदार्थ।

नाशपाती: उच्च फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर

स्ट्रॉबेरी: हृदय और दिमाग के लिए अच्छी

एवोकैडो: स्वस्थ फैट से भरपूर, नसों को मजबूत बनाए

मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक बड़े ब्रेन अटैक से पहले चेतावनी देता है। अगर आप इन हल्के लक्षणों को समय रहते पहचान लें और डॉक्टर से सलाह लें, तो गंभीर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है। इसके अलावा स्वस्थ आहार और लाइफस्टाइल अपनाना भी स्ट्रोक का खतरा कम करता है।

संक्षिप्त

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा! कतर एयरवेज की आपात लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

दोहा से हांगकांग जा रही कतर एयरवेज की एक उड़ान को मंगलवार दोपहर तकनीकी खराबी के बाद अहमदाबाद डायवर्ट कर दिया गया। एयरलाइन ने पुष्टि की है कि उड़ान QR816 को दोपहर करीब 2:30 बजे अहमदाबाद हवाई अड्डे पर एहतियातन आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। एयरलाइन के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दोहा से हांगकांग जा रही कतर एयरवेज की उड़ान फत्816 को तकनीकी खराबी के कारण

अहमदाबाद डायवर्ट कर दिया गया और एहतियातन आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। विमान दोपहर करीब 2रू30 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री सुरक्षित हैं। विमान की स्थिति का आकलन करने के लिए तकनीकी जाँच की जा रही है। अहमदाबाद हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विमान चालक दल ने मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया और सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के साथ समन्वय किया। एहतियात के तौर पर आपातकालीन सेवाओं को स्टैंडबाय पर रखा गया था। लैंडिंग के बाद, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए गए। कतर एयरवेज़ के इंजीनियरों ने विमान की सेवा फिर से शुरू करने से पहले खराबी की प्रकृति का पता लगाने के लिए विस्तृत तकनीकी निरीक्षण शुरू कर दिया है।

खैबर पख्तूनख्वा के सीएम चुनाव के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर, JUI-F की मांग- रद्द किया जाए चुनाव

वर्ल्ड डेस्क, अमर उजाला, पेशावर। जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम–फजल (जेयूआई–एफ) ने मंगलवार को पाकिस्तानी हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की। याचिका में खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) के मुख्यमंत्री के चुनाव को रद्द करने और इसे श्अमान्य और रद्दश करने की मांग की गई है। सोमवार को पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के उम्मीदवार सुहेल अफरीदी को खैबर पख्तूनख्वा का मुख्यमंत्री चुना गया था। इस दौरान विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया था। अफरीदी को कुल 90 वोट मिले जबकि जेयूआई–एफ, पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के किसी भी उम्मीदवार को कोई वोट नहीं मिला। पीटीआई जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी है। याचिका जेयूआई–एफ के उम्मीदवार और प्रांतीय विधानसभा के सदस्य मौलाना लुत्फुर रहमान ने दायर की। वह जेयूआई–एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान के छोटे भाई हैं। रहमान ने कोर्ट से इस चुनाव को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने इसे गैरकानूनी, मनमाना और अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या पूर्व मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर का इस्तीफा औपचारिक रूप से स्वीकार किया गया है या नहीं। उन्होंने पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 130(8) का हवाला दिया। इसमें कहा गया है कि नए मुख्यमंत्री का चुनाव तभी हो सकता है, जब पहले से पद खाली हो। याचिका में विधानसभा की सभी कार्यवाहियों और अधिसूचनाओं को गैरकानूनी और अमान्य घोषित करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया कि जब तक राज्यपाल विधिवत रूप से गंडापुर के इस्तीफे की पुष्टि नहीं करते, तब तक चुनाव के नतीजों पर रोक लगाई जाए। साथ ही संविधान और विधानसभा के नियमों के अनुसार मतदान कराया जाए। रहमान ने कहा, यह कदम इसलिए जरूरी है ताकि अराजकता से बचा जा सके और कानून का शासन स्थापित हो। इस याचिका में खैबर पख्तूनख्वा सरकार, राज्यपाल फैसल करीम कुंडी, प्रांतीय विधानसभा के स्पीकर बाबर सलीम स्वाती, विधानसभा सचिव, पूर्व मुख्यमंत्री गंडापुर और नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री अफरीदी को पक्षकार बनाया गया है। इस बीच, पेशावर हाईकोर्ट (पीएचसी) मंगलवार को अफरीदी के शपथ ग्रहण पर सुनवाई करेगी।

चार दोस्तों को बचाकर खुद हमास के चंगुल में फंसे, अब इस्राइल को सौंपा गया इस हिंदू बंधक का शव

तेल अवीव। इस्राइल और हमास के बीच युद्धविराम के बाद अब बंदियों की अदला–बदली का दौर शुरू हो चुका है। हमास ने 20 जीवित बंदियों को रिहा किया। इसी के साथ दूसरी तरफ हमास की सशस्त्र शाखा अल–कसम ब्रिगेड्स ने 4 मृत इस्राइल बंधकों के नाम सार्वजनिक कर, उनके शव सौंप दिए हैं, जिनमें से एक हिंदू छात्र बिपिन जोशी का शव भी शामिल है, जिनकी मौत की पुष्टि कर दी गई है। हमास ने अपहृत बंदी बिपिन जोशी का शव दो साल से ज्यादा समय के बाद इस्राइल को लौटा दिया गया है। 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान बिपिन जोशी को उनकी बहादुरी के लिए जाना जाता था। उन्होंने बड़ी बहादुरी के साथ उसके 4 दोस्तों को बचाया था। बिपिन जोशी, जो कि नेपाली छात्र थे, हमास के हमले के समय 22 वर्ष के थे और गाजा सीमा के पास किबुत्ज़ अलुमिम में एक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नेपाल से आए थे। माना जाता है कि वह गाजा में जीवित बचे एकमात्र गैर–इस्राइली और हिंदू बंधक थे। सोमवार देर रात हमास ने उनका शव इस्राइली अधिकारियों को सौंप दिया। बिपिन जोशी की इस्राइली यात्रा सितंबर 2023 में शुरू हुई, जब वह गाजा सीमा के पास स्थित किबुत्ज़ अलुमिम समुदाय में कृषि अध्ययन और कार्य कार्यक्रम के लिए 16 अन्य छात्रों के साथ शामिल हुए। इस पहल के तहत नेपाली छात्रों को इस्राइली कृषि पद्धतियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। 7 अक्टूबर की सुबह जब हमास के चरमपंथियों ने अचानक हमला किया, तो छात्रों ने एक बम बंकर में शरण ली। टाइम्स ऑफ इस्राइल के अनुसार, जब अंदर ग्रेनेड फेंके गए, तो जोशी ने एक जिंदा ग्रेनेड उठाया और उसे फटने से पहले ही फेंक दिया, जिससे कई लोगों की जान बच गई। हमले में वह घायल हो गए और बाद में हमास के बंदूकधारी उन्हें पकड़कर गाजा ले गए।

डोनाल्ड ट्रंप ने शहबाज़ शरीफ़ के सामने 'मोदी' की तारीफ़ की, भारत को 'महान देश' बताते हुए कहा- मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उनका मानना घ्घ्है कि भारत और पाकिस्तान ष्बहुत अच्छे से साथ रहेंगेष्। उन्होंने मिस्र में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के पीछे खड़े होने पर शहबाज शरीफ की ओर इशारा किया। इस टिप्पणी पर मेहमान नेता हंस पड़े। ट्रंप ने शर्म अल–शेख में कैमरों की ओर मुस्कुराते हुए पत्रकारों से कहा भारत एक महान देश है जिसके शीर्ष पर मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त है। और उसने बहुत अच्छा काम किया है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत बहुत अच्छे से साथ रहेंगे। गाजा में इज़राइल–हमास युद्ध समाप्त होने के बाद युद्धविराम समझौते के बाद मिस्र के इस शहर में विश्व नेताओं के एक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए ट्रंप ने मंच से कहा कि उन्हें लगता है कि भारत और पाकिस्तान बहुत अच्छे से साथ रहेंगे। ट्रंप ने अपने पीछे खड़े पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर देखते हुए हंसते हुए जवाब दिया ष्भारत एक महान देश है जिसके शीर्ष

पर मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त है और उसने बहुत अच्छा काम किया है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान और भारत साथ मिलकर बहुत अच्छे से रहेंगे। इससे पहले, शरीफ और अपने ष्पसंदीदा फील्ड मार्शलष पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की प्रशंसा करते हुए, ट्रंप ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को सभा को संबोधित करने के लिए भी आमंत्रित किया। शरीफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के अथक और अथक प्रयासों के बाद मध्य पूर्व में शांति स्थापित हुई है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके उत्कृष्ट (और) असाधारण योगदान के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था, जिसमें उन्होंने पहले भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका और फिर अपनी अद्भुत टीम के साथ युद्धविराम करवाया। शरीफ ने कहा कि वह न केवल दक्षिण एशिया में बल्कि मध्य पूर्व में भी लाखों लोगों की जान बचाने के लिए ट्रंप को फिर से नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करना चाहेंगे। नोबेल शांति पुरस्कार से चूकने के बाद, ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध सहित आठ युद्धों को सुलझाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह नोबेल पुरस्कार के लिए नहीं किया। ट्रंप अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध सहित सात संघर्षों को सुलझाने का दावा करते रहे हैं। हालाँकि, अब उन्होंने इज़राइल–गाज़ा संघर्ष को जोड़कर यह संख्या आठ कर दी है। 10 मई को, ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता के बाद भारत और पाकिस्तान ष्पूर्ण और तत्कालष युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। भारत का कहना है कि दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (क्ळडव) के बीच सीधी बातचीत के माध्यम से शत्रुता समाप्त करने पर सहमति बनी थी।

गाज़ा शांति शिखर सम्मेलन में भारत

गाज़ा शांति शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने किया, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद ट्रंप से आधिकारिक रूप से मिलने वाले पहले भारतीय मंत्री हैं। सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष दूत के रूप में शामिल हुए। एक्स पर एक पोस्ट में, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत इस ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करता है और आशा करता है कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप की प्रशंसा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता में ट्रंप के अटूट शांति प्रयासों की भी प्रशंसा की। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने शेष 20 जीवित बंधकों की वापसी का भी स्वागत किया, जिन्हें हमास ने दो साल से अधिक समय तक बंदी बनाकर रखा था और जिन्हें गाजा शांति योजना के पहले चरण के तहत मुक्त किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ष्हम दो साल से अधिक समय तक बंदी रहने के बाद सभी बंधकों की रिहाई का स्वागत करते हैं। उनकी स्वतंत्रता उनके परिवारों के साहस, राष्ट्रपति ट्रंप के अटूट शांति प्रयासों और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के दृढ़ संकल्प को श्रद्धांजलि है। हम क्षेत्र में शांति लाने के राष्ट्रपति ट्रंप के ईमानदार प्रयासों का समर्थन करते हैं। शिखर सम्मेलन का समापन अरब और मुस्लिम जगत के नेताओं के साथ ट्रंप द्वारा एक ऐतिहासिक युद्धविराम दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर करने के साथ हुआ। इस शिखर सम्मेलन में अरब और मुस्लिम जगत के नेताओं ने भाग लिया, जिसे ट्रम्प ने इजरायल और हमास के बीच दो वर्षों के विनाशकारी संघर्ष के बाद मध्य पूर्व के लिए नया और सुंदर दिन बताया।

पाकिस्तान पर हो गया तालिबान से भी 10 गुणा बड़ा हमला, इजरायल ने मचाया कोहराम

पाकिस्तान पर तालिबान से भी 10 गुणा ज्यादा बड़ा हमला हुआ है। 250 से ज्यादा पाकिस्तानी लोग और नेता मारे गए हैं। जबकि 1500 से ज्यादा घायल हैं। मौत का आंकड़ा 500 पार कर सकता है और हालात नहीं सुधरे तो 1000 भी हो सकता है। आप मान कर चलिए कि पाकिस्तान के हालात बिगड़ने वाले हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ देश से गायब हैं और जिस वजह से वो गायब हैं उसी कारण पाकिस्तान पर बड़ा हमला हुआ है। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि पाकिस्तान पर हुए इस बड़े हमले के पीछे इजरायल का एक बहुत बड़ा ऐंगल है। इजरायल से आई कुछ तस्वीरों की वजह से पाकिस्तान में हजारों लोगों ने अपनी ही सेना और सरकार पर हमला कर दिया। अब इन्हीं लोगों को पाकिस्तान की सेना चुन चुनकर मार रही है। सबसे भयानक हालात मुरीदके के हैं। ये वही मुरीदके है जहां भारत ने ऑपरेशन सिंदूर करके हाफिज सईद के लश्कर

ए तैयबा का हेडक्वार्टर उड़ा दिया था। लेकिन आज पाकिस्तान के ही लोगों ने मुरीदके को जलाकर राख कर दिया है। मुरीदके के अलावा लाहौर, इस्लामाबाद, रावलपिंडी, गुजरेवाला, शेखपपुरा और फैसलाबाद में भी बड़े हमले हो रहे हैं। कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और इंटरनेट बंद कर दिया गया है। दरअसल, पाकिस्तान में ये सबकुछ इजरायल और अमेरिका की वजह से हो रहा है। हजारों लोगों ने अपने ही देश पर हमला कर दिया है। वो सभी तहरीक ए लब्बैक यानी टीएलपी के प्रदर्शनकारी हैं जो 9 अक्टूबर से ट्रंप के गाजा में पीस प्लान का विरोध कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से कहा था कि पाकिस्तान को भी गाजा पीस प्लान का समर्थन करना होगा। ट्रंप ने शहबाज शरीफ से कहा था कि ट्वीट करके इसकी जानकारी इजरायल और दुनियाभर के नेताओं को देनी होगी। शहबाज ने ठी वही किया। इस डील को समर्थन करने का मतलब है कि पाकिस्तान अब इजरायल को एक देश के रूप में देखेगा। पाकिस्तान अब तक इजरायल को एक देश ही नहीं मानता था। करोड़ों पाकिस्तानी इजरायल को एक शैतान मानते थे। लेकिन उनकी ही सरकार इजरायल के साथ जाकड़ खड़ी हो गई। इज़राइल द्वारा गाजा में की गई हत्याओं के विरोध में गुरुवार को शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन शनिवार को और तेज़ हो गया जब पुलिस ने कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें द डॉन की रिपोर्ट के अनुसार दर्जनों पुलिसकर्मी घायल हो गए। लाहौर के आज़ादी चौक के पास झड़पें तेज़ हो गईं, जहाँ कई पुलिस वाहनों में आग लगा दी गई और कई अधिकारी घायल हो गए। कई इलाकों में पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए, शिपिंग कंटेनर रख दिए और यहाँ तक कि खाइयाँ भी खोद दीं ताकि टीएलपी के हज़ारों प्रदर्शनकारियों को, जिनका नेतृत्व संगठन के प्रमुख साद रिज़वी कर रहे थे, इस्लामाबाद की ओर अमेरिकी दूतावास के पास प्रदर्शन करने से रोका जा सके। लाहौर इस्लामाबाद से लगभग 370 किलोमीटर दूर है।

ट्रंप की चमचागिरी करते हुए शहबाज ऐसा क्या बोल गए ? मुंह दबाकर हंसने लगी मेलोनी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्रेडिटजीवि बनने की पूरी कोशिश में लगे रहते हैं। उन्होंने नोबेल प्राइज चाहिए था, लेकिन वो मिल न सका। लेकिन काम उन्होंने अभी भी नहीं छोड़ा है। शांति के प्रयासों में वो लगे हुए हैं और अगर आपको ये यकीन नहीं होता तो मिस्र से आई खबर इसकी बानगी है। जहां ट्रंप डंके

के बीच ऐलान कर रहे हैं कि गाजा और इजरायल के बीच का युद्ध उन्होंने खत्म करवा दिया। इसके बाद जब वो भाषण दे रहे हैं तो पाकिस्तान को भी सलाह देते नजर आए हैं। तभी अचानक वहां एक ऐसा मौका भी आया जिसे जानकर आप भी अपनी हंसी नहीं रोक पाएंगे। जैसे किसी बच्चे से बड़े अभिवावक कहते हैं न कि अच्छे बच्चे की तरह अब तुम नहीं लड़ाई करोगे। उसी तरह ट्रंप ने शहबाज शरीफ से कहा कि अच्छे से रहोगे तो उन्होंने कहा जी बिल्कुल अच्छे से रहेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर गाजा–इजरायल के बीच युद्ध विराम कराने का क्रेडिट लिया है। हालांकि मिस्र में जब ये समझौता हुआ तो हमास की तरफ से कोई नहीं था। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि एकतरफा कैसे ये समझौता हो सकता है। या फिर ये भी कुछ दिनों की शांति है। गाजा में शांति स्थापना को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर गंभीर चर्चा चल रही थी। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मौके को एक बार फिर ट्रंप की चापलूसी में बदल दिया। शांति शिखर सम्मेलन के मंच से शहबाज ने ट्रंप को शांति का मसीहा घोषित करते हुए न सिर्फ उनकी तारीफों के पुल बांधे बल्कि एक बार फिर उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने का प्रस्ताव भी दे डाला। शहबाज की ये भाषणबाजी सुनकर वहां मौजूद कई नेता हैरान रह गए। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का चेहरा भी ये सुनते हुए कुछ कह रहा था कि मानो कुछ सोच रही हो कि ये मंच गाजा के लिए है या ट्रंप के लिए। शहबाज शरीफ ने अपने भाषण की शुरूआत ट्रंप के गाजा के लिए किए अथक प्रयासों की तारीफों से की और कहा कि आज का दिन समकालीन इतिहास का सबसे महान दिन है क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप की कोशिशों से गाजा में शांति आएगी। यही नहीं उन्होंने दावा किया कि ट्रंप की टीम ने पहले भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका और फिर युद्ध विराम करवाकर दक्षिण एशिया में शांति ला दी। यानी एक बार फिर पाकिस्तान ने भारत पाक संघर्ष में ट्रंप को झूठा क्रेडिट थमा दिया। पाकिस्तान अपने झूठ से इस बार भी दुनिया को गुमराह कर रहा था। शहबाद अपनी चापलूसी में लगे हुए थे।

नेपाल के बाद आया मैडागास्कर का नंबर, Gen Z के आंदोलन ने पलट दी सत्ता, राष्ट्रपति एंड्री राजोएलीना देश छोड़ कर भागे

मैडागास्कर में जो कुछ हुआ उसने यह साबित कर दिया कि जनरेशन ज़ी (Gen Z) अब सिर्फ़ सोशल मीडिया पर शोर मचाने वाली पीढ़ी नहीं रही, यह वह वर्ग है जो सत्ता की कुर्सियाँ हिला सकता है। हम आपको बता दें कि हफ्तों तक चले युवा–नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद हालात उस बिंदु पर पहुँच गए जब मैडागास्कर की एक अभिजात सैन्य इकाई CAPSAT ने प्रदर्शनकारियों का साथ दे दिया और राष्ट्रपति एंड्री राजोएलीना से इस्तीफे की माँग कर डाली। इसके साथ ही सत्ता का तख्ता पलट गया, और राजोएलीना देश छोड़कर भाग गए। यह दृश्य केवल एक अफ्रीकी द्वीप देश का राजनीतिक संकट नहीं थाकृ यह उस नई वैश्विक प्रवृत्ति का प्रतीक है जिसमें युवा पीढ़ी राजनीतिक परिवर्तन की निर्णायक ताकत बन चुकी है। हम आपको बता दें कि मैडागास्कर के 31 मिलियन नागरिकों वाले इस द्वीप में 25 सितंबर से शुरू हुए विरोध पहले तो जल व बिजली संकट के खिलाफ़ थे, लेकिन जल्द ही ये आंदोलन भ्रष्टाचार, बेरोज़गारी और राजोएलीना के दोहरे नागरिकता विवाद के खिलाफ़ जन–विद्रोह में बदल गए। राष्ट्रपति पर फ्रांसीसी नागरिकता रखने का आरोप लंबे समय से जन–असंतोष को भड़का रहा था, ऐसे में ब्|चै|ज नामक सैन्य इकाई जो 2009 में राजोएलीना को सत्ता में लाई थी, वह भी उनके ख़िलाफ़ खड़ी हो गई। इस तरह इतिहास ने खुद को दोहरा दिया। राष्ट्रपति ने सोमवार रात एक गुप्त स्थान से अपने संबोधन में कहा कि "मैंने अपनी जान की रक्षा के लिए सुरक्षित स्थान की तलाश की।" लेकिन यह संदेश भी टीवी पर नहीं, बल्कि फेसबुक पेज के ज़रिए जारी हुआ। हम आपको बता दें कि सेना के भीतर भी अब ब्|चै|ज का प्रभुत्व है, जिसे गार्ड और अन्य सैन्य गुटों का समर्थन मिल चुका है। कर्नल माइकल रैंड्रियनरीना का बयान कि "हमने जनता की पुकार सुनी है, यह तख्तापलट नहीं, जनादेश की आवाज़ है," बताता है कि अब सेना भी अपने वैधता–स्रोत को "जनता" से जोड़ना चाहती है, न कि राष्ट्रपति से। यह एक बड़े परिवर्तन की दिशा में संकेत है कि सत्ता अब केवल चुनावी वैधता से नहीं, बल्कि सामाजिक और डिजिटल वैधता से भी तय हो रही है। देखा जाये तो मैडागास्कर का यह विद्रोह नेपाल में हाल ही में हुए जेन–ज़ी आंदोलन की गूंज जैसा था, जहाँ युवा विरोध ने सरकार को गिरा दिया था। इस नई पीढ़ी के आंदोलन की विशेषता यह है कि ये न किसी राजनीतिक दल के पीछे हैं, न किसी वैचारिक गुट के। ये डिजिटल रूप से संगठित, सूचनाप्रवीण और वैश्विक चेतना से जुड़े नागरिक हैं। ळमद´ वह पीढ़ी है जो लोकतंत्र को केवल वोट देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि रियल–टाइम जवाबदेही के रूप में देखती है। इंटरनेट, इंस्टाग्राम और रील्स की दुनिया में पले–बढ़े ये युवा सरकारों से तुरंत प्रतिक्रिया और पारदर्शिता की अपेक्षा करते हैं। जल संकट, भ्रष्टाचार, या नागरिक अधिकार, हर मुद्दा इनके लिए "राष्ट्रीय" और "व्यक्तिगत" दोनों है। मैडागास्कर की सड़कों पर उतरने वाले ये युवा न तो पारंपरिक राजनीतिक भाषा बोलते हैं, न उनके पास कोई नेता है। उनके पास नेटवर्क है कोई पार्टी नहीं। यही इस आंदोलन की शक्ति और उसकी चुनौती दोनों है। मैडागास्कर का यह संकट उस व्यापक सच्चाई को उजागर करता है कि 21वीं सदी की राजनीति अब केवल सत्ता–संरचना की नहीं, संचार–संरचना की लड़ाई है। राष्ट्रपति राजोएलीना ने संवाद की अपील की, लेकिन बहुत देर से। उनकी सत्ता उन्हीं डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स पर गिरी जहाँ आज जनता अपनी आवाज़ बनाती है। सवाल यह नहीं कि यह "कू" था या "क्रांतिश, असली प्रश्न यह है कि क्या पारंपरिक लोकतंत्र नई डिजिटल जनता की रफ्तार से तालमेल बिठा पाएंगे? ळमद´ का यह संदेश अब वैश्विक है।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

ये दीवाली, स्वदेशी वाली: खरीदारी के लिए निकलें, तो गांठ बांध लें स्वदेशी का संकल्प : योगी

लखनऊ,संवाददाता। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले प्रदेशवासियों को भावनात्मक संदेश दिया है। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा है कि इस वर्ष की दीपावली को स्वदेशी वाली बनाएं।उन्होंने त्योहार की व्यस्तताओं के बीच क्षण भर रुककर स्वदेशी का संकल्प लेने का आह्वान किया है। सीएम योगी का यह संदेश न केवल आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को मजबूती देता है बल्कि लाखों देसी कारीगरों, कुम्हारों और छोटे दुकानदारों के जीवन में उल्लास भरने की अपील करता है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली का पावन पर्व निकट है और प्रदेशवासी पूरे उत्साह के साथ उत्सव की तैयारियों में जुटे होंगे। व्यस्तता के बीच उन्होंने एक आवश्यक

संकल्प लेने पर जोर दिया। उन्होंने कहा,जब आप दीपावली की खरीदारी के लिए निकलें, तो स्वदेशी का संकल्प गांठ बांधकर निकलें। देश में ही निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता दे। यह प्राथमिकता केवल बड़े सामानों तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि रोजमर्रा के छोटे–छोटे सामानों में भी इसे लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, चाहे वे दीये हों, मोमबत्तियां हों, झालर हों, या अन्य कोई वस्तु। आपकी यह छोटी सी पहल लाखों देसी कारीगरों, शिल्पकारों, कुम्हारों, स्थानीय दुकानदारों के जीवन में उल्लास लेकर आएगी। आप उनकी दीपावली को अधिक प्रकाशमान और स्मरणीय बनाने में सहायता कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने केवल सामान्य खरीदारी तक ही स्वदेशी की अपील को सीमित नहीं रखा बल्कि उपहारों के चयन के लिए भी विशेष सुझाव दिया। उपहारों के लिए भी स्वदेशी को चुनें। इसके लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के उत्कृष्ट उत्पाद एक अच्छा विकल्प सिद्ध हो सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ओडीओपी के तहत हर जिले के विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सीएम योगी ने बताया कि ओडीओपी उत्पाद उपहार के रूप में क्यों खास हैं, ये उपहार को सबसे विशिष्ट तो बनाएंगे ही, साथ ही ये हमारे प्रतिभाशाली कारीगरों के परिश्रम का उचित सम्मान भी होगा। यह अपील दोहराती है कि स्वदेशी उत्पाद खरीदना केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं है,ल बल्कि देश के प्रतिभावान कारीगरों के कौशल और परिश्रम के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक तरीका है।सीएम का यह संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल फॉर वोकल अभियान को उत्तर प्रदेश में एक नई ऊँचाई पर ले जाने का प्रयास है। त्योहारों का यह मौसम, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है, इसमें स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से छोटे और मध्यम उद्यमों को बड़ी राहत मिल सकती है। सीएम योगी ने संदेश के अंत में पूरे प्रदेशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और इस महत्वपूर्ण बात को एक बार फिर दोहराया, स्मरण रहे, ये दीवाली, स्वदेशी वाली।

दिवाली की छुट्टियों की घोषणा, कई दिन स्कूल बंद

लखनऊ,संवाददाता। दिवाली का त्योहार आते ही देशभर में खुशी और रोशनी का माहौल बन जाता है। मिठाइयों की महक, सजावट और बाजारों की चकाचौंध इस समय को विशेष बनाती है। इस बार छात्रों के लिए अच्छी खबर है क्योंकि कई राज्यों में दिवाली के अवसर पर स्कूलों में छुट्टियाँ घोषित की गई हैं। दिवाली के अवसर पर स्कूलों में कई दिनों की छुट्टियाँ दी गई हैं। इस कारण बच्चे और उनके माता–पिता पहले से ही त्योहार की तैयारियों में जुट गए हैं। उत्तर प्रदेश में,ल छुट्टियों की सूची के अनुसार, 20, 22 और 23 अक्टूबर को क्रमशः दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज की छुट्टियाँ घोषित की गई हैं। 19 अक्टूबर को रविवार है इसलिए छात्रों को चार दिन की दिवाली की छुट्टी मिलेगी। 2025 में दिवाली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी। कार्तिक अमावस्या तिथि 20 अक्टूबर की दोपहर से शुरू होकर 21 अक्टूबर की शाम को समाप्त होगी। लक्ष्मी पूजा का शुभ समय शाम के प्रदोष काल के दौरान पड़ता है, जिससे 20 अक्टूबर दिवाली समारोह का मुख्य दिन बन जाता है।

सीएम ने पेंशन और अनुदान योजनाओं के लिए जताया पीएम का आभार

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की एक करोड़ से अधिक निराश्रित महिलाओं को एक हजार रूपये प्रतिमाह पेंशन दिये जाने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है।सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर कहा, "आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में आज उत्तर प्रदेश की 1 करोड़ 6 लाख 17 हजार से अधिक निराश्रित माताएं, बहनें, वृद्धजन तथा दिव्यांगजन प्रतिमाह 1,000 रुपये पेंशन पाकर सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।" 11 लाख से अधिक दिव्यांगजन न सिर्फ भरण–पोषण अनुदान पा रहे हैं, बल्कि उन्हें सहायक उपकरण और कृत्रिम अंग भी मिल रहे हैं ताकि वे आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सकें। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 4,77,680 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ है, जिन्हें 2,378.12 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई है। यह पेंशन और अनुदान जीवन का संबल हैं। यह 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' की जीवंत साधना है।

सपा महिला सभा के राष्ट्रीय सचिव पद से हटाई गई मुस्कान

लखनऊ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी ने महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव मुस्कान मिश्रा को पद से हटा दिया है। महिला सभा की अध्यक्ष जूही सिंह ने आदेश जारी कर दिया है। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों सपा नेता मुस्कान मिश्रा अयोध्या के महंत राजू दास से मिली थीं। मुस्कान की इस मुलाकात को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किया जा रहा है। माना जा रहा है कि इसी के चलते उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गयी है। अयोध्या के महंत राजू दास सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और संरक्षक मुलायम सिंह यादव के खिलाफ बयान देकर चर्चा में आए थे।मुस्कान मिश्रा को हटाये जाने को लेकर समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह की ओर से जारी किये गये आदेश में कहा गया है कि मुस्कान मिश्रा को सपा महिला सभा के राष्ट्रीय सचिव पद से मुक्त किया जाता है। नेताजी हम सभी के लिए प्रेरणा थे और रहेंगे। जूही सिंह का यह कहना है कि मुस्कान मिश्रा की जल्द ही शादी होने वाली है इसलिए स्वयं उन्होंने ही पद के दायित्व से मुक्त करने का निवेदन किया था। वे केवल पद से हटायी गयी हैं। वह अभी भी सपा की सदस्य हैं।

दिवाली से पहले राजधानी में फैली गंदगी,नगर आयुक्त को गंदी मिलीं गलियां-सड़कें

लखनऊ,संवाददाता। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मंगलवार को जोन–6 के चौक काली जी वार्ड में स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सराय माली खान रोड, अब्दुल अजीज रोड, टंडन जी फव्वारा और अखबारी गेट ढाल पर सफाई में लापरवाही पाई गई। कई स्थानों पर कूड़े के ढेर और कंस्ट्रक्शन और डिमोलिशन वेस्ट (सी–डी) मिला। नगर आयुक्त ने कड़ा रुख अपनाते हुए सैनिटेशन इंस्पेक्टर (एसएफआई) का वेतन रोकने और कार्यदाई संस्था बालाजी ट्रेडर्स पर 5,000 रुपए का जुर्माना लगाने का निर्देश दिया। सी–डी) वेस्ट के लिए नगर अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा गया। इसके अलावा, विक्टोरिया स्ट्रीट पर अपर्याप्त सफाई के कारण एलएसए संस्था पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

दीपावली के दृष्टिगत नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने की तैयारियों की समीक्षा

दीपावली पर 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश

लखनऊ,संवाददाता। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके.ल शर्मा ने दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण पर्वों के दृष्टिगत कैंप ऑफिस से वर्चुअल समीक्षा बैठक कर ऊर्जा एवं नगर विकास विभाग के तैयारियों की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने पूरे प्रदेश में नागरिकों को 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए अधिकारियों को पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि दीपावली पर्व के दौरान 24 घंटे निरंतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जाए।

त्योहारों के समय बिजली कटौती से जनसामान्य को असुविधा न हो, सभी स्तरों पर विद्युत व्यवस्था की गहन मॉनिटरिंग की जाए।मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली मिले, इसके लिए लो वोल्टेज एवं बार–बार शटडाउन की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जाए।हाल के दिनों में लटकते तारों एवं ढीले कनेक्शनों के कारण हुई दुर्घटनाओं पर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। जन सुरक्षा सर्वोपरि है, वितरण खंडों में इस पर तत्काल कार्रवाई की जाए।उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी इमरजेंसी या आकस्मिक कारणों से विद्युत कटौती करनी पड़े तो स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को तुरंत सूचित किया जाए।बैठक में मंत्री ने उन नगरीय क्षेत्रों का भी उल्लेख किया जहां अभी तक विद्युत आपूर्ति ग्रामीण फीडर से की जा रही है। उन्होंने इसे अत्यंत गंभीर विषय बताते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में नगरीय फीडर से आपूर्ति सुनिश्चित करने की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ की जाए। श्री शर्मा ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में साफ–सफाई की व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त रखी जाए, सड़कों के गड्ढे तुरंत भरे जाएं, तथा बाजार, फल मंडी और सब्जी मंडी जैसे भीड़–भाड़ वाले इलाकों में दिन में तीन बार सफाई सुनिश्चित की जाए।उन्होंने निर्देश दिए कि छठ पूजा से संबंधित सभी मार्गों का समतलीकरण किया जाए तथा घाटों व रास्तों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। लखनऊ के अधिकांश स्थानों पर स्ट्रीट लाइट बंद होने की घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए ऊर्जा मंत्री मंत्री ने कहा कि त्योहारों के समय पूरे प्रदेश में कहीं भी स्ट्रीट लाइट बंद होने की स्थिति में संबंधित नगर आयुक्त एवं अधिशासी अधिकारी जिम्मेदार होंगे। वर्षा के बाद संचारी रोगों के प्रसार को रोकने हेतु फॉगिंग, एंटी लार्वा स्प्रे और चूने का छिड़काव नियमित रूप से किया जाए। जहां कहीं भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है, वहां तुरंत जल निकासी की व्यवस्था की जाए,साथ ही प्रतिबंधित पॉलीथिन और अवैध होर्डिंग हटाने के लिए अभियान चलाया जाए। त्योहारों के समय रेहड़ी व ठेला लगाने वाले छोटे व्यापारियों को आजीविका के अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के नाम पर इन्हें हटाया न जाए। दीपावली, छठ पर्व की अवधि में अधिकारी मुख्यालय न छोड़े। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता पाई जाए तो उस पर कड़ी कार्रवाई करें।बैठक के दौरान प्रमुख सचिव नगर विकास पी गुरु प्रसाद, सचिव अजय शुक्ला, निदेशक अनुज झा,अपर निदेशक रितु सुहास,सहायक निदेशक असलम अंसारी, विद्युत विभाग के एमडी पंकज कुमार, डायरेक्टर इलेक्ट्रिकल सेफ्टी एवं डिस्कॉम के अधिकारी प्रमुख रूप से जुड़े रहे।

वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के 10वें दीक्षांत समारोह

राज्यमंत्री बोलीं, स्टूडेंट्स के लिए कुछ मुश्किल नहीं

लखनऊ,संवाददाता। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के 10वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को विवि की

एआई लैब में बनी श्रीराम की मूर्ति भेंट की गई। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कुलपति अजय तनेजा, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, फिल्म निर्माता फैशन डिजाइनर मुजफ्फर अली भी शामिल हुए। दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अनुमति के बाद हुई। कुलपति अजय तनेजा ने छात्र–छात्राओं को दीक्षा दी। उसके बाद राज्यपाल ने 1424 स्टूडेंट्स की डिग्रियां डिजी लॉकर पर अपलोड कीं। समारोह में 146 पदक में से 127 पदक छात्र–छात्राओं को वितरित किए गए। 47 छात्र और 99 छात्राओं को पदक दिए गए। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया इस बार दो नए मेडल डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास में रामपति देवी स्वर्ण पदक भी शामिल किए गए हैं। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने स्टूडेंट्स से कहा आप सबके लिए कुछ मुश्किल नहीं है। आपने जो सपने देखे हों उन्हें पूरा करने के लिए खरा उतरिए। श्रीरामचरितमानस की चौपाई भी पढ़ी–कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं। रहमाना ने कहा जेआरएफ की तैयारी करनी है। उर्दू, अरबी फारसी, कला एवं मानविकी संकाय और बीए उर्दू में प्रथम आने पर मुझे तीन स्वर्ण पद मिले। वाइस चांसलर मेडल पाने वाले धर्मेश यादव ने कहा स्नातक स्तर पर सभी संकाय में प्रथम, विज्ञान संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने व बीएससी–रसायन में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिले। पिता बृजकिशोर यादव किसान और मां मनोरमा देवी गृहणी हैं।

संक्षिप्त समाचार

समस्याओं पर समाधान का ऊर्जा मंत्री का मिला आश्वाशन

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा,संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खालिद की अध्यक्षता में उर्जा मंत्री एके शर्मा से मुलाकात कर पावर कार्पोरेशन प्रबंधन द्वारा 2017 के अपने स्वयं के आदेश का उल्लंघन कर लगभग 25 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों कि छटनी करने,55 वर्ष का हवाला देकर अनुभवी कर्मचारियों को कार्य से हटाने, वर्तमान व्यवस्था के स्थान पर वर्टिकल व्यवस्था लागू करने, सुधार के नाम पर बाराबंकी जनपद से लगभग 13 करोड़ बचाने के उद्देश्य से 350 कर्मचारियों को कार्य से हटाने और हटाए गए कर्मचारियों के कारण उत्पन्न बिजली संकट को दूर करने के लिए लगभग 13 करोड़ के स्थान पर लगभग 55 करोड़ का एलओआई जारी करने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया। उर्जा मंत्री ने पावर कार्पोरेशन प्रबन्धन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दिपावली पर्व के बाद अपनी उपस्थिति में पावर कार्पोरेशन प्रबन्धन व संगठन के बीच बैठक वार्ता कराकर समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया।

ई–ऑटो पलटा, चालक की मौत,दो साथी घायल, बारिश के गड्ढे से हुआ हादसा

लखनऊ,संवाददाता। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के भदेसरमऊ गांव में सोमवार देर रात एक इलेक्ट्रिक ऑटो अनियंत्रित होकर नहर सड़क पर पलट गया। इस हादसे में ऑटो चालक 25 वर्षीय भूपेंद्र की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी अजय और मुकेश घायल हो गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि भूपेंद्र अपने साथियों मुकेश और अजय के साथ सवारी उतारने के बाद मुकेश के मामा के घर जा रहा था। रास्ते में भदेसरमऊ की नहर सड़क पर बारिश से बने एक गड्ढे में ऑटो का पहिया फंस गया, जिससे वाहन पलट गया। हादसे में चालक भूपेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके साथी अजय और मुकेश को हल्की चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह भाटी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थाना मलिहाबाद की सेकेंड मोबाइल टीम ने तत्काल घायलों को सीएचसी मलिहाबाद पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने भूपेंद्र को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर मृतक के भाई शिवमूरत और परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त इलेक्ट्रिक ऑटो को थाने में कब्जे में लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

यूपी के हर जिले में गायों के लिए 'घर' बनाएगी योगी सरकार, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश की आवारा गायों की समस्या और ग्रामीण रोजगार को एक साथ हल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार हर जिले में एक आदर्श गौशाला की स्थापना करेगी, जिसे काऊ टूरिज्म सेंटर के रूप में भी विकसित किया जाएगा। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह के अनुसार, इन आधुनिक गौशालाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें गोबर, गोमूत्र, दूध और घी जैसे उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग शामिल होगा। गौशालाओं में उत्पादों के निर्माण व विपणन (मार्केटिंग) के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को जोड़ा जाएगा। इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि स्थानीय उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने दीपावली पर गोबर से बने दीयों, मूर्तियों और सजावटी वस्तुओं को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिससे स्थानीय उत्पादों की मांग और बिक्री बढ़े। इन आदर्श गौशालाओं से आवारा गायों को आश्रय मिलेगा, जिससे न केवल सड़कों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि आमजन को भी राहत मिलेगी। सरकार का मानना है कि आदर्श गौशालाएं रोजगार के नए अवसरों को जन्म देंगी। इससे ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार मिलेगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मंडला आयुक्त से मिला राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का प्रतिनिधिमंडल

लखनऊ,संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी के नतृत्व में संयुक्त परिषद के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात कर नगरीय परिवहन कर्मचारियों की समस्याओं पर वार्ता किया। संयुक्त परिषद की महामंत्री एवं मीडिया प्रभारी अरुणा शुक्ला ने यह जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति में देते अवगत कराया है कि संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने मंडला आयुक्त को नगरीय परिवहन सेवाओं में कार्यरत संविदा चालकों परिचालकों को बेरोजगार किए जाने की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने अवगत कराया की 15 वर्ष के बाद बसों के फिटनेस का नवीनीकरण नहीं किये जाने से कर्मचारियों के सामने बेरोजगारी की समस्या बढ़ गई है। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने मंडलायुक्त से सड़क परिवहन मोटर अधिनियम 2025 में किए गए संशोधन के अनुरूप 20 साल तक के वाहनों को फिटनेस देने का अनुरोध किया। उन्होंने यह कहा कि पहले से काम कर रहे चालकों परिचालकों को इलेक्ट्रिक बसों पर प्राथमिकता के साथ अवसर प्रदान किया जाए। इस तरह का निर्णय पहले कार्मिक विभाग की बैठक में भी हो चुका है। मंडलायुक्त से नगर परिवहन के बेड़े में नई बसें खरीदने का अनुरोध भी किया गया। संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने अवगत कराया कि मंडलायुक्त ने धैर्य पूर्वक समस्याओं को सुना एवं समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने मोटर अधिनियम 2025 के अनुपालन में 20 वर्ष तक की गाड़ियों का फिटनेस नवीनीकरण करने के लिए आरटीओ से भी मुलाकात का सुझाव दिया। संयुक्त परिषद के प्रतिनिधिमंडल में संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ,महामंत्री अरुणा शुक्ला, नगरीय परिवहन सेवा संविदा कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष महेंद्र सिंह एवं दुबग्गा डिपो के कई कर्मचारी सम्मिलित थे। वार्ता सौहार्दपूर्ण रही

सपा नेता शर्मिला महराज ने लगाएं गम्भीर आरोप

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के ओल्ड हैदराबाद इलाके में 70 वर्षों से लगातार होने वाली बाल रामलीला का मंचन इस वर्ष प्रशासनिक हस्तक्षेप ने रूकवा दिया।

संरक्षक नागेन्द्र सिंह चौहान ,स्वामी प्रकाशक व मुद्रक फलक खान द्वारा साइ आफसेट प्रिन्टर्स 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे कैसरबाग से मुद्रत होकर 24 / 298 जय प्रकाश नगर नियर कल्याण भवन प्रयाग नारायण रोड, से प्रकाशित। सम्पादक जमील अहमद मो0 9236108786 Email: aagaaz.times@gmail.com

नोट : आगाज़ टाइम्स साप्ताहिक समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है प्रकाशित हुये लेख/समाचारों में ,विचार व्यक्तिगत रूप से लेखकों के है। इनसे सम्पादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। किसी भी विवाद कि स्थिति उत्पन्न होने पर केवल न्यायालय ही मान्य होगा।